संस्करण ● नई दिल्ली ● पानीपत (हरियाणा) ● चण्डीगढ़ ●लखनऊ ● भोपाल (मध्य प्रदेश) ●हल्द्वानी नैनीताल ● देहरादून (उत्तराखण्ड) से एक साथ प्रकाशित... www.publicasia.in

पब्लिक की सुनें, पब्लिक की कहें

पब्लिक एशिया

@publicasia1989 @publicasiaofficial @publicasia e-mail: publicasia1989@gmail.com

वर्ष : 15, अंक : 09 पृष्ठ : 04, पानीपत, गुरुवार 22 फरवरी 2024, मूल्य : 2 रूपये RNI No.- HARHIN/2011/40057

शंभू-खनौरी बॉर्डर पर किसान-पुलिस में टकराव

हालात बिगड़े:किसानों पर लगातार आंसू गैस छोड़ी जा रही, गुरुग्राम-दिल्ली बॉर्डर पर 10 किमी. तक जाम

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब के 14 हजार किसान 1200 ट्रैक्टर-ट्रालियों पर शंभू बॉर्डर से दिल्ली जाने की कोशिश कर रहे हैं। खनौरी बॉर्डर पर भी 800 ट्रैक्टर ट्रालियां मौजूद हैं। किसान यहां से हरियाणा में दाखिल होने की कोशिश कर रहे हैं। जैसे ही किसान आगे बढ़ते हैं पुलिस उन पर ड्रोन से आंसू गैस के गोले छोड़ देती है। दोनों बॉर्डर पर मंगलवार सुबह किसानों और पुलिस के बीच टकराव भी हो चुका है। किसानों को रोकने के लिए पुलिस कई बार ड्रोन से आंसू गैस छोड़ चुकी है। बचने के लिए किसानों ने स्पेशल मास्क, गीली बोरियां और चश्मे पहने। साउंड कैनन से निपटने के लिए किसान स्पेशल इयर बड्स लेकर आए हैं।

- शंभू बॉर्डर पर महिला सुरक्षाकर्मी को भी तैनात किया गया था।
- प्रशासन के मुताबिक, 5 हजार से ज्यादा सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाले थे।
- किसानों ने आंसू गैस के गोले से बचने के लिए चश्मे पहने।
- पुलिस से बचने के लिए किसान गैस मास्क भी पहने दिखे।
- मोडिफाइड ट्रैक्टर, जिस पर पंखा लगा है ताकि आंसू गैस का गोला गिरने के बाद हवा का रुख बदला जा सके।

इस बीच, केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने फिर से किसानों को बातचीत का न्योता भेजा। शंभू बॉर्डर पर किसान मीटिंग में केंद्र के प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं। इससे पहले 4 बार बैठकों का कोई नतीजा नहीं निकला है। किसान आंदोलन का आज 9वां दिन है। इस दौरान अलग-अलग वजहों से दो पुलिसकर्मियों समेत 4 की मौत हो चुकी है।

खनौरी पर 20 राउंड आंसू गैस के गोले दागे गए : खनौरी बॉर्डर पर किसानों ने हरियाणा में घुसने की कोशिश की। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। 15 से 20 राउंड गोले दागे जा चुके हैं। किसान दिल्ली कूच की जिद पर वहीं डटे हुए हैं।

गुरुग्राम-दिल्ली बॉर्डर पर 10 किमी. लंबा जाम : किसानों के प्रदर्शन के चलते गुरुग्राम-दिल्ली बॉर्डर पर लंबा जाम लग गया है। दिल्ली पुलिस ने इस बॉर्डर पर बैरिकेडिंग की है।

निहंग आगे बढ़े तो फिर पुलिस ने दागे गोले: शंभू बॉर्डर पर निहंगों ने आगे बढ़ने की कोशिश की तो हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। आज यह तीसरी बार है, जब आंसू गैस के गोले दागे गए हैं। करीब 20 राउंड गोले दागे गए हैं।

केंद्र और किसान नेताओं के बीच बातचीत: किसान नेता केंद्र सरकार से 5वीं बार वार्ता के लिए राजी हो सकते हैं। यह मीटिंग आज शाम को ही चंडीगढ़ में होगी। सूत्रों के मुताबिक, शंभू बॉर्डर पर किसानों को फिलहाल आगे ना बढ़ने को कहा गया है। अगर ऐसा हुआ तो फिर आज दिल्ली कूच टालने को लेकर कोई फैसला हो सकता है।

पंजाब और हरियाणा उट के चंडीगढ़ स्थित घर की सिक्योरिटी बढ़ाई गई: चंडीगढ़ में पंजाब के सीएम भगवंत मान और हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर के सरकारी घर की सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। इसे किसान आंदोलन को लेकर शंभू बॉर्डर पर पैदा हुए हालात से जोड़कर देखा जा रहा है। पंजाब सरकार ने शंभू बॉर्डर पर एंबुलेंस तैनात कीं। आसपास के अस्पताल अलर्ट पर रखे। खनौरी बॉर्डर पर भी पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे हैं। यहां से किसानों ने हरियाणा में घुसने की कोशिश की। शंभू बॉर्डर पर किसान नेता और प्रशासन के बीच में मीटिंग शुरू हो गई है। मंच से युवा को आगे ना बढ़ने के निर्देश दिए जा रहे हैं। इस बीच हरियाणा पुलिस ने दूसरी बार आंसू गैस के गोले छोड़े। शंभू बॉर्डर पर हालात बिगड़े।पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने किसान आंदोलन को लेकर हरियाणा सरकार की याचिका पर फौरन सुनवाई से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार से भी कहा, उन्होंने किसानों को इकट्ठा होने से क्यों नहीं रोका। सब इस मामले में राजनीति कर रहे हैं।

मौसम

दिल्ली/एनसीआर

अधिकतम ता. 17.0°C | न्यूनतम ता. 08.0°C

संक्षिप्त समाचार

लखीसराय में हादसे में ड्राइवर समेत 9 छात्रों की मौत

- पार्ट टाइम कैटरिंग का काम कर ऑटो से लौट रहे थे; ट्रक ने मारी टक्कर

लखीसराय, एजेंसी। लखीसराय में रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी। 9 लोगों की मौत हुई है। 5 की हालत गंभीर बनी हुई है। सदर अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद सभी को पटना ढटउल रेफर कर दिया गया है। हादसे में 8 स्टूडेंट्स थे, जो पार्ट टाइम में कैटरिंग का काम करते थे। सभी की उम्र 18 से 24 साल के बीच थी। सड़क हादसे में ऑटो ड्राइवर की भी मौत हो गई है। हादसा मंगलवार रात करीब डेढ़ बजे रामगढ़चौक थाना क्षेत्र के झुलौना गांव के पास ठल्ल-30 पर हुआ। टक्कर के बाद ऑटो के परखच्चे उड़ गए। ऑटो में कुल 14 लोग सवार थे। इनमें से 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक की सदर अस्पताल में इलाज कराने के दौरान मौत हुई है। सभी मुंगेर जिले के जमालपुर के रहने वाले थे। सिकंदरा में कैटरिंग का काम खत्म कर लखीसराय रेलवे स्टेशन के लिए निकले थे। यहां से ट्रेन पकड़कर अपने घर मुंगेर जाने वाले थे। सिकंदरा से लखीसराय रेलवे स्टेशन के लिए ऑटो रिजर्व किया था। पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताते हुए लिखा है कि सड़क हादसा अत्यंत दुखद है। इस दुर्घटना में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं।

दिल्ली-पुणे से 2500 करोड़ की म्याऊं-म्याऊं ड्रग्स जब्त

- महाराष्ट्र में पुणे पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी जब्ती; 5 गिरफ्तार
- पुणे पुलिस ने बताया कि नशीली दवाओं की तस्करी का काम नमक के गोदाम में किया जा रहा था। इसमें अंतरराष्ट्रीय तस्करों के शामिल होने का शक है।

पुणे, एजेंसी। पुणे सिटी पुलिस ने पुणे और दिल्ली में दो दिनों तक चली रेड में 1,100 किलोग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की है। इसकी कीमत 2,500 करोड़ रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। लोकल भाषा में मेफेड्रोन को म्याऊं म्याऊं भी कहते हैं। पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। महाराष्ट्र में पुणे पुलिस का यह अब तक का सबसे बड़ा ड्रग भंडाफोड़ है और भारत में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई में से एक है। पुलिस के मुताबिक, क्राइम ब्रांच ने सोमवार (19 फरवरी) को पुणे के भैरवनगर और विश्रांतवाड़ी इलाकों में रेड के दौरान तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया था।

जितना भी चिल्लाओ, रोजगार नहीं मिलेगा: राहुल गांधी

- आपको सताया जा रहा, भर्ती के नाम पर पेपर लीक करा रहे; एयरपोर्ट के लिए निकले राहुल

कानपुर/उन्नाव, एजेंसी। राहुल गांधी की यात्रा का बुधवार को 39वां दिन है। जबकि यूपी में यात्रा का छठा दिन है। राहुल की यात्रा लखनऊ के बंथरा से उन्नाव पहुंची। यहां राहुल ने करीब डेढ़ घंटे में 13 किलोमीटर का रोड शो किया। इसके बाद कानपुर पहुंचे। यहां के घंटाघर चौराहे पर राहुल ने जनसभा की। जिसमें अंबानी-अडाणी के नाम पर सरकार को घेरा। नौकरी और पेपर लीक के नाम पर भी जमकर निशाना साधा। फिर टाटमिल चौराहा होते हुए चकेरी एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए।

यहां से राहुल चार्टेड प्लेन से दिल्ली जाएंगे। इसके बाद यात्रा 2 दिन, 22 और 23 फरवरी को ब्रेक लेगी। 24 फरवरी को यात्रा फिर मुरादाबाद से शुरू होगी।

चकेरी एयरपोर्ट के लिए निकले राहुल, दिल्ली जाएंगे: राहुल की न्याय यात्रा घंटाघर से निकलकर टाटमिल चौराहा होते हुए चकेरी एयरपोर्ट के लिए रवाना हुई। यहां से राहुल चार्टेड प्लेन से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। इसके बाद यात्रा 2 दिन का ब्रेक लेगी। 24 फरवरी को फिर मुरादाबाद से यात्रा की शुरूआत होगी।

ड्रोन उड़ा रहे युवक को पुलिस ने पकड़ा: उन्नाव में राहुल की यात्रा में ड्रोन कैमरा उड़ा रहे युवक को NSG ने पकड़ कर पुलिस के हवाले किया। शुक्लागंज के मरहला चौराहे पर युवक ड्रोन से राहुल का वीडियो शूट कर रहा था। इसी दौरान सुरक्षा एजेंसी हरकत में आई। पकड़ा गया युवक यू ट्यूबर बताया जा रहा है। पुलिस पूछताछ कर रही है। राहुल ने कहा- राम मंदिर के आयोजन में कितने दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के लोग पहुंचे। वहां आपने अंबानी को देखा, लेकिन दलित, पिछड़ों को नहीं देखा होगा।

सीट शेयरिंग पर कांग्रेस से चर्चा आखिरी चरण में: केजरीवाल

- पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने पर कहा- हमने जीतने के लिए यह फैसला किया
- दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 10 फरवरी को पंजाब और चंडीगढ़ में कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग से इनकार किया था।

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार (21 फरवरी) को कहा कि दिल्ली में लोकसभा चुनाव सीट शेयरिंग के लिए कांग्रेस से चर्चा चल रही है। हम चर्चा के अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। जल्दी ही सीट शेयरिंग का ऐलान किया जाएगा। पंजाब में 10 फरवरी को अरविंद केजरीवाल ने एक रैली में कहा था कि राज्य में पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। इस पर मंगलवार को केजरीवाल बोले- इस फैसले पर हम पुनर्विचार नहीं करने वाले हैं। हमने जीतने के लिए यह फैसला किया है। इसके अलावा केजरीवाल ने कहा कि अन्य राज्यों में भी गठबंधन को लेकर कई दौर की चर्चा हो चुकी है। जल्द ही अन्य राज्यों में भी गठबंधन का ऐलान किया जाएगा।

संदीप पाठक बोले- कांग्रेस 1 सीट से ज्यादा की हकदार नहीं

AAP के महासचिव और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने 14 फरवरी को कहा था कि हम कांग्रेस को दिल्ली में एक ही सीट देने पर विचार कर रहे हैं। कांग्रेस एक से ज्यादा सीट की हकदार नहीं है। लेकिन अगर सूत्रों की माने तो कांग्रेस और AAP सीट-बंटवारे के लिए 4:3 फॉर्मूले पर चर्चा कर रही थी। इसमें कांग्रेस 4 और अआढ के तीन सीटों पर चुनाव लड़ने की अटकलें थीं। 2019 में इखढ ने सातों लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी।

'अंत भला तो सब भला'

यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन की अटकलों पर अखिलेश ने लगाया विराम, 17 सीटों पर लड़ेगी INC

मुरादाबाद, एजेंसी। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कांग्रेस से गठबंधन होना तय बताया है। उन्होंने दो घंटे में पता चलने की बात भी कही। अब तक के घटनाक्रम के बारे में उनका कहना था कि अंत भला तो सब भला।बदायूं से धर्मेंद्र यादव का टिकट काटने के बारे में अखिलेश बोले- वह चुनाव लड़ेंगे, चाचा भी लड़ेंगे। कहां से, इसके बारे में जल्द पता चल जाएगा।

स्वामी प्रसाद मौर्य के सवाल पर क्या बोले अखिलेश?

स्वामी प्रसाद मौर्य के आइएनडीआइए का हिस्सा बनने के बारे में उनका कहना था कि यह गठबंधन अब बहुत आगे निकल चुका है। सलीम इकबाल शेरबानी के नाराज होने के बारे में बोले, सपा का प्रयास रहेगा कि सबको साथ रखा जाए। अभी सभी को जो नहीं दे पाए।

मिजोरम छात्र संगठन की मणिपुर CM को चेतावनी

- अगर आपने मिजोरम के लोगों को निष्कासित किया, तो हम राज्य से मैतेइयों को निकाल देंगे
- मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने 12 फरवरी को कहा था कि 1961 के बाद दूसरे राज्यों से आकर मणिपुर में बसे सभी लोगों को बाहर निकाला जाएगा।

इम्फाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा और अशांति का असर अब पड़ोसी राज्य मिजोरम में भी दिखने लगा है। मिजोरम सरकार ने भी म्यांमार से लगी सीमा की फेंसिंग और फ्री आवाजाही बंद करने के विरोध के बीच नोटिस जारी कर राज्य में 1950 के बाद आने वाले लोगों के जमीन खरीदने या मालिकाना हक हासिल करने पर रोक लगा दी है। दूसरी तरफ, प्रमुख छात्र संगठन मिजो स्टूडेंट्स यूनियन ने सोमवार को चेतावनी जारी कर कहा है कि मणिपुर से किसी भी मिजो या जनजातीय व्यक्ति को निष्कासित किया, तो हम भी मिजोरम में रहने वाले सभी मैतेइयों को बाहर निकाल देंगे।

असम CM बोले- राहुल ने झूठ के अलावा कुछ नहीं सीखा

- उनकी न्याय यात्रा जहां भी जाएगी, कांग्रेस के साथ अन्याय होगा
- CM सरमा का कहना है कि जहां से भी भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकल रही है, वहां कांग्रेस का पतन हो रहा है।

तेलंगाना, एजेंसी। असम के उट हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार (20 फरवरी) को कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा जहां से भी निकल रही है, वहां कांग्रेस का पतन हो रहा है। अब राहुल उत्तर प्रदेश जा रहे हैं, लेकिन उनका अखिलेश यादव से मतभेद हो रहा है। जहां भी न्याय यात्रा जाएगी, वहां कांग्रेस के साथ अन्याय ही होगा। हिमंत सरमा मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की विजय संकल्प यात्रा का शुभारंभ करने तेलंगाना पहुंचे थे। जहां उन्होंने रोड शो में हिस्सा लिया। रोड शो के दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल ने इस दुनिया में झूठ के अलावा कुछ भी नहीं सीखा है।

पहली यात्रा पर तीन राज्य हारे, इस बार पूरा देश हारेंगे- हिमंता सरमा

उट हिमंत ने कहा कि जब राहुल ने पहली बार भारत जोड़ो यात्रा की थी, तो वो तीन राज्यों में चुनाव हार गए थे। इस बार चुनावों में वह पूरा देश हार जाएंगे। कांग्रेस लोकसभा चुनावों मे 30 सीट भी नहीं जीत पाएगी। इससे पहले राहुल गांधी ने मंगलवार को ढट मोदी पर निशाना साधते हुए बयान दिया था कि जब वो अपनी न्याय यात्रा के दौरान वाराणसी में थे, तब उन्होंने लोगों को सड़कों पर नशे में धुत देखा। सरमा ने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि ढट मोदी ने क्या किया ? लेकिन राहुल और प्रियंका गांधी उसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर रैलियां कर रहे हैं, जिसे ढट मोदी ने बनाया है। राहुल गांधी ने दुनिया में झूठ बोलने के अलावा और कुछ भी नहीं सीखा।

कांग्रेस को हिंदुओं से प्रेम नहीं- उट सरमा

उट सरमा ने तेलंगाना के निर्मल जिले में एक सार्वजनिक सभा में सवाल किया कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कांग्रेस के बड़े नेता आमंत्रित किए जाने के बावजूद अयोध्या में राम मंदिर कार्यक्रम में क्यों शामिल नहीं हुए। उन्होंने कांग्रेस पार्टी से सवाल पूछा कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में आप क्यों नहीं गए ? क्या आपको हिंदुओं से प्रेम नहीं है ? क्या आप हमेशा रजाकारों और बाबर के साथ रहेंगे। सरमा ने कहा कि देशवासी रजाकारों और बाबर के साथ खड़े नहीं होंगे।

बातचीत भारत आना सौभाग्य की बात; 9वें रायसीना डायलॉग के चीफ स्पीकर होंगे मित्सोटाकिस....

ग्रीस प्रधानमंत्री बोले- मोदी सच्चे दोस्त, दूरदर्शी नेता

- ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत की।

नई दिल्ली/एथेंस, एजेंसी। ग्रीस के प्रधानमंत्री किरिकोस मित्सोटाकिस सुबह राष्ट्रपति भवन पहुंचे। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका औपचारिक स्वागत किया। इसके बाद दोनों लीडर्स के बीच बातचीत हुई। इस दौरान ग्रीस के PM ने कहा- प्रधानमंत्री मोदी में मुझे एक दूरदर्शी नेता और एक सच्चा मित्र दिखता है। भारत आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मित्सोटाकिस मंगलवार देर रात दो दिन की भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे थे। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने उन्हें रिसीव किया था। 16 साल बाद ग्रीस का कोई प्रधानमंत्री भारत आया है। इसके पहले प्रधानमंत्री कोस्टास करमनलिस जनवरी 2008 में भारत आए थे। मित्सोटाकिस 9वें रायसीना डायलॉग 2024 के चीफ स्पीकर होंगे। प्रधानमंत्री मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। ग्रीस PM के साथ हाईलेवल डेलिगेशन भी भारत आया है। इसमें बिजनेसमैन भी शामिल हैं। रायसीना डायलॉग वैश्विक मुद्दों पर चर्चा का मंच है। इसमें मुख्य तौर पर 100 से ज्यादा देशों के विदेश मंत्री बैठक करते हैं। इस साल ग्रीस के PM चीफ गेस्ट हैं।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और ग्रीस की चिंताएं एक जैसी

मोदी ने कहा- रक्षा के क्षेत्र में बढ़ता सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास को दशार्ता है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए वर्किंग ग्रुप का गठन किया गया है। इससे हम रक्षा, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद और समुद्री सुरक्षा जैसी आम चुनौतियों में सहयोग बढ़ा सकते हैं। हम दोनों देशों के रक्षा क्षेत्रों को जोड़ने पर सहमत हुए हैं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और ग्रीस की चिंताएं एक जैसी हैं। इस क्षेत्र में अपने सहयोग को और मजबूत करने के लिए हमने चर्चा की है।

इंडो-पैसिफिक में ग्रीस की सक्रिय भागीदारी : मोदी ने कहा- हम इंडो-पैसिफिक में ग्रीस की सक्रिय भागीदारी और सकारात्मक भूमिका का स्वागत करते हैं। यह खुशी की बात है कि ग्रीस ने इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव में शामिल होने का फैसला किया है। हम इस बात पर सहमत हैं कि सभी विवादों और तनावों को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। अगले साल भारत और ग्रीस के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे हो जाएंगे।

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी को श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

उन्होंने वर्तमान के साथ ही भविष्य के लिए भी एक नई राह दिखाई है। उनका संपूर्ण जीवन आध्यात्मिक प्रेरणा से भरा रहा। उनके जीवन का हर अध्यायग अद्भुत ज्ञान, असीम करुणा और मानवता के उत्थान के लिए अटूट प्रतिबद्धता से सुशोभित है। आचार्य विद्यासागरजी महाराज सम्यक ज्ञानग सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे। उनके व्यक्तित्व की सबसे विशेष बात ये थी कि उनका सम्यक दर्शन जितना आत्मबोध के लिए थाग उतना ही सशक्त उनका लोकबोध भी था। उनका सम्यक ज्ञान जितना धर्म को लेकर था, उतना ही उनका चिंतन लोकविज्ञान के लिए भी रहता था

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज जी के बारे में अपने विचार व्यक्त किये हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी वेबसाइट नरेंद्र मोदी डॉट इन पर संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज जी के संबंध में स्वयं के द्वारा लिखे गए एक लेख का लिंक भी साझा किया है। यहां प्रस्तुत है प्रधानमंत्री मादी द्वारा लिखा गया लेख।)

जीवन में हम बहुत कम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिनके निकट जाते ही मन-मस्तिष्क एक सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। ऐसे व्यक्तियों का स्नेह, उनका आशीर्वाद, हमारी बहुत बड़ी पूंजी होता है। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज मेरे लिए ऐसे ही थे। उनके समीप अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता था। आचार्य विद्यासागर जी जैसे संतों को देखकर ये अनुभव होता था कैसे भारत में आध्यात्म किसी अमर और अजस्र जलधारा के समान अविरल प्रवाहित होकर समाज का मंगल करता रहता है।

आज मुझे, उनसे हुई मुलाकातें, उनसे हुआ संवाद, सब बार-बार याद आ रहा है। पिछले साल नवंबर में छत्तीसगढ़ में डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी जैन मंदिर में उनके दर्शन करने जाना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात थी। तब मुझे जरा भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि आचार्य जी से मेरी यह आखिरी मुलाकात होगी। वह पल मेरे लिए अविस्मरणीय बन गया है। इस दौरान उन्होंने काफी देर तक मुझसे बातें कीं। उन्होंने पितातुल्य भाव से मेरा ख्याल रखा और देश सेवा में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुझे आशीर्वाद भी दिया। देश के विकास और विश्व मंच पर भारत को मिल रहे सम्मान पर उन्होंने प्रसन्नता भी व्यक्त की थी। अपने कार्यों की चर्चा करते हुए वह काफी उत्साहित थे। इस दौरान उनकी सौम्य दृष्टि और दिव्य मुस्कान प्रेरित करने वाली थी। उनका आशीर्वाद आनंद से भर देने वाला था, जो हमारे अंतर्मन के साथ-साथ पूरे वातावरण में उनकी दिव्य उपस्थिति का अहसास करा रहा था। उनका जाना उस अद्भुत मार्गदर्शक को खोने के समान है, जिन्होंने मेरा और अनगिनत लोगों का मार्ग निरंतर प्रशस्त किया है।

भारतवर्ष की ये विशेषता रही है कि यहां की पावन धरती ने निरंतर ऐसी महान विभूतियों को जन्म दिया है, जिन्होंने लोगों को दिशा दिखाने के साथ-साथ समाज को भी बेहतर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संतों और समाज सुधार की इसी महान परंपरा में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी का प्रमुख स्थान है। उन्होंने वर्तमान के साथ ही भविष्य के लिए भी एक नई राह दिखाई है।

उनका संपूर्ण जीवन आध्यात्मिक प्रेरणा से भरा रहा। उनके जीवन का हर अध्याय, अद्भुत ज्ञान, असीम करुणा और मानवता के उत्थान के लिए अटूट प्रतिबद्धता से सुशोभित है। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे। उनके व्यक्तित्व की सबसे विशेष बात ये थी कि उनका सम्यक दर्शन जितना आत्मबोध के लिए था, उतना ही सशक्त उनका लोक बोध भी था। उनका सम्यक ज्ञान जितना धर्म को लेकर था, उतना ही उनका चिंतन लोक विज्ञान के लिए भी रहता था।

करुणा, सेवा और तपस्या से परिपूर्ण आचार्य जी का जीवन भगवान महावीर के आदर्शों का प्रतीक रहा, उनका जीवन, जैन धर्म की मूल भावना का सबसे बड़ा उदाहरण रहा। उन्होंने जीवन भर अपने काम और अपनी दीक्षा से इन सिद्धांतों का संरक्षण किया। हर व्यक्ति के लिए उनका प्रेम, ये बताता है कि जैन धर्म में 'जीवन' का महत्व क्या है। उन्होंने सत्यनिष्ठा के साथ अपनी पूरी आयु तक ये सीख दी कि विचारों, शब्दों और कर्मों की पवित्रता कितनी बड़ी होती है। उन्होंने हमेशा जीवन के सरल होने पर जोर दिया। आचार्य जी जैसे व्यक्तित्वों के कारण ही, आज पूरी दुनिया को जैन धर्म और भगवान महावीर के जीवन से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

वो जैन समुदाय के साथ ही अन्य विभिन्न समुदायों के भी बड़े प्रेरणास्रोत रहे। विभिन्न पंथों, परंपराओं और क्षेत्रों के लोगों को उनका सानिध्य मिला, विशेष रूप से युवाओं में आध्यात्मिक जागृति के लिए उन्होंने अथक प्रयास किया।

शिक्षा का क्षेत्र उनके हृदय के बहुत करीब रहा है। बचपन में सामान्य विद्याधर से लेकर आचार्य विद्यासागर जी बनने तक की उनकी यात्रा ज्ञान प्राप्ति और उस ज्ञान से पूरे समाज को प्रकाशित करने की उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दिखाती है। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा ही एक न्यायपूर्ण और प्रबुद्ध समाज का आधार है। उन्होंने लोगों को सशक्त बनाने और जीवन के लक्ष्यों को पाने के लिए ज्ञान को सर्वोपरि बताया। सच्चे ज्ञान के मार्ग के रूप में स्वाध्याय और आत्म-जागरूकता के महत्त्व पर उनका विशेष जोर था। इसके साथ ही उन्होंने अपने अनुयायियों से निरंतर सीखने और आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का भी आग्रह किया था।

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज की इच्छा थी कि हमारे युवाओं को ऐसी शिक्षा मिले, जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित हो। वह अक्सर कहा करते थे कि चूंकि हम अपने अतीत के ज्ञान से दूर हो गए हैं, इसलिए वर्तमान में हम अनेक बड़ी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। अतीत के ज्ञान में वो आज की अनेक चुनौतियों का समाधान देखते थे। जैसे जल संकट को लेकर वो भारत के प्राचीन ज्ञान से अनेक समाधान सुझाते थे। उनका यह भी विश्वास था कि शिक्षा वही है, जो स्किल डवलपमेंट और इनोवेशन पर अपना ध्यान केंद्रित करे।

आचार्य जी ने कैदियों की भलाई के लिए भी विभिन्न जेलों में काफी कार्य किया था। कितने ही कैदियों ने आचार्य जी के सहयोग से हथकरघा का प्रशिक्षण लिया। कैदियों में उनका इतना सम्मान था कि कई कैदी रिहाई के बाद अपने परिवार से भी पहले आचार्य विद्यासागर जी से मिलने जाते थे।

संत शिरोमणि आचार्य जी को भारत देश की भाषायी विविधता पर बहुत गर्व था। इसलिए वह हमेशा युवाओं को स्थानीय भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करते थे। उन्होंने स्वयं भी संस्कृत, प्राकृत और हिंदी में कई सारी रचनाएं की हैं। एक संत के रूप में वे शिखर तक पहुंचने के बाद भी जिस प्रकार जमीन से जुड़े रहे, ये उनकी महान रचना 'मूक माटी' में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है। इतना ही नहीं, वे अपने कार्यों से वंचितों की आवाज भी बने।

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी के योगदान से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी बड़े परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने उन क्षेत्रों में विशेष प्रयास किया, जहां उन्हें ज्यादा कमी दिखाई पड़ी। स्वास्थ्य को लेकर उनका दृष्टिकोण बहुत व्यापक था। उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य को आध्यात्मिक चेतना के साथ जोड़ने पर बल दिया, ताकि लोग शारीरिक और मानसिक रूप, दोनों से स्वस्थ रह सकें।

मैं विशेष रूप से आने वाली पीढ़ियों से यह आग्रह करूंगा कि वे राष्ट्र निर्माण के प्रति संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रतिबद्धता के बारे में व्यापक अध्ययन करें। वे हमेशा लोगों से किसी भी पक्षपातपूर्ण विचार से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया करते थे। वे मतदान के प्रबल समर्थकों में से एक थे और मानते थे कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने हमेशा स्वस्थ और स्वच्छ राजनीति की पैरवी की। उनका कहना था- 'लोकनीति लोभसंग्रह नहीं, बल्कि लोकसंग्रह है।', इसलिए नीतियों का निर्माण निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि लोगों के कल्याण के लिए होना चाहिए।

आचार्य जी का गहरा विश्वास था कि एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण उसके नागरिकों के कर्तव्य भाव के साथ ही अपने

परिवार, अपने समाज और देश के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की नींव पर होता है। उन्होंने लोगों को सदैव ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। ये गुण एक न्यायपूर्ण, करुणामयी और समृद्ध समाज के लिए आवश्यक हैं। आज जब हम विकसित भारत के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं कर्तव्यों की भावना और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है।

ऐसे कालखंड में जब दुनियाभर में पर्यावरण पर कई तरह के संकट मंडरा रहे हैं, तब संत शिरोमणि आचार्य जी का मार्गदर्शन हमारे बहुत काम आने वाला है। उन्होंने एक ऐसी जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान को कम करने में सहायक हो। यही तो 'मिशन लाइफ' है जिसका आह्वान आज भारत ने वैश्विक मंच पर किया है। इसी तरह उन्होंने हमारी अर्थव्यवस्था में कृषि को सर्वोच्च महत्त्व दिया। उन्होंने कृषि में आधुनिक टेक्नोलॉजी अपनाने पर भी बल दिया। मुझे विश्वास है कि वो नमो ड्रोन दीदी अभियान की सफलता से बहुत खुश होते।

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी, देशवासियों के हृदय और मन-मस्तिष्क में सदैव जीवंत रहेंगे। आचार्य जी के संदेश उन्हें सदैव प्रेरित और आलोकित करते रहेंगे। उनकी अविस्मरणीय स्मृति का सम्मान करते हुए हम उनके मूल्यों को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह ना सिर्फ उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि होगी, बल्कि उनके बताए रास्ते पर चलकर राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

संपादकीय

संदेशखालि का संदेश

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित गांव संदेशखालि का सियासी माहौल इन दिनों गरमाया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। यहां जो कुछ घटित हो रहा है उसे देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि यहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी राजनीतिक पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपने पूर्ववर्ती सीपीएम के शासन प्रणाली से किसी तरह का सबक नहीं लिया है। राज्य में सीपीएम के कार्यकर्ता जिस तरह हिंसा और दबंगई की राजनीति किया करते थे, टीएमसी के कार्यकर्ता उन्हीं के पदचिह्नों पर चल रहे हैं। सिंगुर और नंदीग्राम में जमीन अधिग्रहण विरोधी प्रदर्शनों ने ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी को सत्ता में पहुंचाया था।

इस विरोध प्रदर्शन में भी बड़ी संख्या में महिलाओं ने ममता बनर्जी का साथ दिया था। आज संदेशखालि में भी इसी तरह का प्रदर्शन देखने को मिल रहा है जिसमें महिलाएं मुखर हैं और अपनी सुरक्षा एवं न्याय की मांग को लेकर गोलबंद हो रही हैं। अब तक जो महिलाएं ममता बनर्जी का समर्थन कर रहीं थी वे आज उनके विरोध में सड़कों पर उतर आयी हैं। जाहिर है राजनीतिक क्षेत्रों में यह कयास लगाया जा रहा है कि क्या संदेशखालि की जमीन से सिंगूर-नंदीग्राम जैसे सत्ता परिवर्तन की बयार बहने लगी है। हालांकि इस बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। फिर भी यह तो कहा ही जा सकता है कि संदेशखालि की घटना लोक सभा चुनाव को प्रभावित करने की ताकत अवश्य रखता है। पिछले 5 जनवरी को राशन घोटाले के सिलसिले में टीएमसी के दबंग नेता शाहजहां शेख के घर छापेमारी के लिए गए ईडी के अधिकारियों पर हुए हमले के बाद संदेशखालि सुर्खियों में आया। यहां बड़ी संख्या में महिलाओं ने शेख और उसके समर्थकों पर जमीन हड़पने और उत्पीड़न का आरोप लगाया। इसके बाद से ग्रामीण शेख की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। मंगलवार को हाईकोर्ट ने शेख को अदालत में समर्पण करने का आदेश जारी किया है। इसी बीच भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने हाईकोर्ट की अनुमति के बाद क्षेत्र का दौरा किया और पीड़ितों से मुलाकात की। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भी हिंसा प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। इधर ममता ने भाजपा पर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया है। बहरहाल, ममता सरकार को चाहिए कि कानून की धज्जियां उड़ाने वाले ऐसे नेता के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

चिंतन-मनन

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थ्य भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है।

उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है।

ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके।

प्रकृति के स्वास्थ्य रक्षा के नियमों के लिए गुरुगम्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं। वे सहज समझे और निबाहे जा सकते हैं। उचित-अनुचित का निर्णय करने वाले यंत्र इसी शरीर में लगे हैं, जो तत्काल बात देते हैं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं। आहार-विहार का ध्यान रखने से स्वास्थ्य रक्षा की समस्या हल हो जाती है। आहार प्रमुख पक्ष है, जिसे स्वास्थ्य अनुशासन का पूर्वार्ध कहा जा कसता है। उत्तरार्ध में विहार आता है, जिसका तात्पर्य है नित्य कर्म, शौच, स्नान, शयन, परिश्रम, संतोष आदि। शरीर रूपी मन्दिर को मनमानी बुरी आदतों के कारण रुग्ण बनाना प्रकृति की दृष्टि में बड़ा अपराध है। उसके फलस्वरूप पीड़ा बेचैनी, अशक्ति, अल्पायु, आर्थिक हानि और तिरस्कार जैसे दंड भोगने पड़ते हैं।

हिट विकेट हो गए कमलनाथ

रमेश सर्राफ धमोरा

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के कद्दावर नेता कमलनाथ को भाजपा ने हिट विकेट कर दिया है। पिछले एक सप्ताह से कमलनाथ के भाजपा में जाने की खबरें सुर्खियां बन रही थी। मगर भाजपा आलाकमान ने कमलनाथ के लिए पार्टी के दरवाजे नहीं खोले। चर्चा है कि मध्य प्रदेश भाजपा द्वारा कमलनाथ के भाजपा प्रवेश का विरोध किए जाने के कारण पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कमलनाथ के भाजपा प्रवेश के कार्यक्रम को टाल दिया है। अब कमलनाथ के सुर भी बदले-बदले नजर आ रहे हैं। वह बोल रहे हैं कि मैं कभी भी कांग्रेस नहीं छोड़ सकता हूं। मैं जन्मजात कांग्रेसी हूं और रहूंगा। जबकि एक दिन पहले तक कमलनाथ के खासमखास सज्जन सिंह वर्मा ने खुलेआम कांग्रेस पार्टी में कमलनाथ की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए उनके भाजपा में शामिल होने की पुष्टि की थी। मगर अब सज्जन वर्मा भी अपने बयानों से पलटते नजर आ रहे हैं।

भाजपा में कमलनाथ को शामिल करने को लेकर अंदर खाने विरोध के स्वर उठ रहे थे। भाजपा नेता तेजिंदर सिंह बग्गा का कहना है कि कमलनाथ सिख विरोधी दंगों के अगवा रहे हैं। उन पर सिखों की हत्या करने के आरोप है। ऐसे व्यक्ति को भाजपा में शामिल नहीं करना चाहिए। हालांकि कमलनाथ हमेशा ऐसे आरोपों को नकारते रहे हैं। सभी तरह की जांच में उन्हें क्लीनचिट भी मिल चुकी है। मगर सिख समाज के मन में आज भी कमलनाथ को लेकर नकारात्मक भावना बनी हुई है। ऐसे में भाजपा कमलनाथ को पार्टी में शामिल कर सिख मतदाताओं को नाराज नहीं करना चाहती है। हालांकि तेजिंदर सिंह बग्गा का कहना है कि यदि कमलनाथ के सांसद बेटे नकुलनाथ भाजपा में शामिल होते हैं तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। क्योंकि नकुलनाथ ने सिख विरोधी कोई काम नहीं किया है।

कमलनाथ कांग्रेस में सबसे वरिष्ठ नेता माने जाते हैं। संजय गांधी के दून स्कूल के साथी कमलनाथ को 1980 के पहले लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें अपना तीसरा बेटा कहकर चुनाव जीतवाने की अपील की थी। 1980 में मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल छिंदवाड़ा से पहली बार चुनाव जीतने के बाद कमलनाथ ने कभी राजनीति में पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह लगातार सफलता की सीढ़ी चढ़ते गए।

कांग्रेस की केन्द्र सरकार में वह कई बार मंत्री, संगठन में पदाधिकारी, मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बनाए गए। मगर 2023 में कांग्रेस पार्टी के मध्यप्रदेश विधानसभा का चुनाव हारने के बाद पार्टी में उन्हें हाशिये पर धकेल दिया गया। उन्हें बिना पूछे ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से हटा दिया गया। इतना ही नहीं उनके विरोधी रहे जीतू पटवारी को उनके स्थान पर मध्य प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष व उमंग सिंघार को विधायक दल का नेता बना दिया गया। इससे कमलनाथ को बड़ा झटका लगा था और तभी से वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में अपने प्रवेश की जुगत लगाने लगे थे।

हालांकि अब कमलनाथ ने साफ कर दिया है कि वह कांग्रेस छोड़कर कहीं नहीं जा रहे हैं। राहुल गांधी की न्याय यात्रा में भी वह शामिल होंगे। अगले लोकसभा चुनाव में पार्टी के सभी 29 सीटों पर प्रत्याशियों को जितवाने के लिए पूरी मेहनत करेंगे। मगर राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह कमलनाथ की खिसियाहट मिटाने का एक तरीका है। कमलनाथ को पता है कि भाजपा में शामिल नहीं होने के कारण पार्टी नेतृत्व के समक्ष उनकी छवि संदिग्ध की बन चुकी है। कांग्रेस आलाकमान को पता है कि जब भी मौका मिलेगा कमलनाथ कांग्रेस को अलविदा कह देंगे। इसलिए कांग्रेस आलाकमान उनको लेकर हमेशा सतर्क रहेगा और आगे उन्हें ऐसी कोई बड़ी जिम्मेदारी भी नहीं दी जाएगी जिस से उनके पार्टी छोड़ने पर पार्टी की छवि खराब हो।

कमलनाथ जैसे वरिष्ठ नेता द्वारा पिछले एक सप्ताह से जिस तरह का राजनीतिक ड्रामा किया गया था उसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। कमलनाथ की छवि एक गंभीर और सुलझे हुए नेता की मानी जाती रही है। ऐसे में भाजपा में शामिल होने को लेकर अफवाहों का जो दौर देखने को मिला उससे उनकी छवि तो खराब हुई है। आने वाले समय में वह राजनीतिक रूप से भी कमजोर हो जाएंगे ऐसी संभावना जताई जाने लगी है। अब कांग्रेस आलाकमान भी उनके समर्थकों से सीधी बात कर डैमेज कंट्रोल करने में जुट गया है। आने वाले समय में यदि कमलनाथ अपने सांसद पुत्र नकुलनाथ को भाजपा में शामिल भी करवा देते हैं तो कांग्रेस को अधिक नुकसान नहीं हो। इस बात को लेकर कांग्रेस आलाकमान अपनी गोटिया बिठाने में जुट गया है।

आज कमलनाथ की स्थिति न घर की न घाट की वाली बन गई है। भाजपा आलाकमान भी नहीं चाहता है कि महज एक छिंदवाड़ा लोकसभा सीट के लिए कमलनाथ को पार्टी में लाकर प्रदेश में एक नया गुट खड़ा करें। इसीलिए अंतिम समय में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कमलनाथ कि भाजपा एंट्री को रोक कर उन्हें ऐसा झटका दिया है जिससे वह है शायद ही कभी उबर पाए। राजस्थान में कांग्रेस के बड़े आदिवासी नेता व कांग्रेस की कार्य समिति के सदस्य महेंद्रजीत सिंह मालवीय भाजपा में शामिल हो गए हैं। मालवीय राजस्थान के बांगड़ क्षेत्र में बड़े कद के राजनेता है और कई बार मंत्री, विधायक, सांसद, प्रधान, जिला प्रमुख रह चुके हैं। इससे पूर्व महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भी भाजपा में शामिल हो गये थे। कई अन्य नेता भी कतार में हैं। कांग्रेस के ऐसे बड़े जनाधार वाले नेता पार्टी छोड़कर क्यों जा रहे हैं। कांग्रेस आलाकमान को इस बात पर भी चिंतन मनन करना चाहिए।

राजनीति के जानकारो का कहना है कि मौजूदा समय में कांग्रेस के बड़े जन आधार वाले नेता हाशिये पर डाल दिए गए हैं। ऐसे कागजी नेताओं को जिन्होने कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा उन्हे अग्रीम मोर्चे पर लगा दिया गया है। बिना जनाधार वाले नेता ही जुगाड़ कर राज्यसभा में पहुंच जाते हैं। उसी का नतीजा है कि कांग्रेस के जन आधार वाले नेता दूसरे दलों में अपना राजनीतिक भविष्य तलाशने लगे हैं। कांग्रेस आलाकमान को जनाधार वाले नेताओं को आगे लाना होगा तभी पार्टी अपना खोया जनाधार फिर से हासिल कर पाएगी।

खेल : भविष्य की आश्वस्ति है 'अनमोल'

मनोज चतुर्वेदी

अनमोल खरब सहित भारतीय यंग ब्रिगेड ने बैडमिंटन एशियाई महिला टीम चैंपियनशिप में महिला वर्ग का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। भारत ने थाईलैंड को फतह करके यह उपलब्धि हासिल की। भारतीय टीम ने पहली बार इस चैंपियनशिप में पदक जीता है। पुरुष टीम दो बार कांस्य पदक जीत चुकी है। फाइनल में पीवी सिंधु और त्रिशा जौली व गायत्री गोपीचंद की जोड़ी के जीतने के बाद 17 वर्षीय अनमोल खरब ने निर्णायक मुकाबला जीतकर भारत को विजेता बनाया। इस सफलता से यह तो साफ है कि अब बागड़ोर युवा हाथों में आ गई है। सायना नेहवाल के चमक से दूर होने और पीवी सिंधु के चार माह तक चोटिल होने और इससे पहले खराब फॉर्म से जूझने की वजह से युवाओं के आगे आकर मोर्चा संभालने की जरूरत महसूस की जा रही थी। पर इस चैंपियनशिप में सिंधु की अगुआई में भारतीय यंग ब्रिगेड तीन सीडेड टीमों चीन, जापान और थाईलैंड को हराकर इस मुकाम तक पहुंची। अनमोल खरब भारतीय दल की सबसे छोटी सदस्य हैं और त्रिशा जौली 20 और गायत्री गोपीचंद 21 साल की हैं और इन युवाआं ने छह मैच जीतकर भारत की इस सफलता में अहम भूमिका निभाई। अनमोल खरब की तो जितनी तारीफ की जाए, वह कम है। वह 478 वीं रैंकिंग की खिलाड़ी हैं और उन्हें तीनों देशों के खिलाफ आखिरी और निर्णायक मैच खेलना पड़ा और वह हर मौके पर सफल साबित हुई।

अश्मिता चालिहा भले ही 24 साल की हैं पर वह भी अपने अंतरराष्ट्रीय कॅरियर की शुरुआत में ही हैं। वह भले ही फाइनल में थाईलैंड की बुसानन से हार गई, लेकिन सेमीफाइनल में जापानी खिलाड़ी नाओमी ओकुहारा पर जीत को हमेशा याद रखा जाएगा। इस पूर्व विश्व चैंपियन के खिलाफ खेलते समय अपना ऐसा दबदबा रखा कि ओकुहारा को अपना स्वाभाविक खेल खेलने की छूट ही नहीं दी। वह बैक कोर्ट से तो अच्छा खेलीं हीं कॉर्नर पर बढ़िया स्मैश भी लगाए। चालिहा के इस प्रदर्शन पर गोपीचंद का कहना था कि मैंने इससे पहले उसे इतना अच्छा खेलते कभी नहीं देखा। उसे अपना खेल अनुशासित रखने की जरूरत है और वह बेहतरीन खिलाड़ी है।

चालिहा के मुकाबलों में मेरे लगातार पीछे बैठकर उसे गाइड करने का भी यह नतीजा है। मुझे उसका यह प्रदर्शन देखकर बहुत खुशी हुई है। इस चैंपियनशिप की सही मायनों में खरब खोज मानी जा सकती है। वह पहली बार चीन के खिलाफ मुकाबले में सुर्खियां पाने में सफल हुई। भारत और चीन के बीच 2-2 की बराबरी के बाद ऐसी खिलाड़ी को निर्णायक मुकाबले में उतारना एक बड़ा जुआ था। पर इस फैसले की वजह रैंकिंग में काफी नीचे होने की वजह से एक तो उनके ऊपर कोई दबाव नहीं था, दूसरे वह तनाव में कभी रहती नहीं हैं और हमेशा ही ठंडे दिमाग के साथ खेलती हैं। अनमोल ने भारतीय कोचों द्वारा उनसे लगाई उम्मीदों पर खरे उतरते हुए चीन की वू लुयो यू को 22-20, 14-21, 21-18 से हराकर भारत को ऐसे मुकाबले में जीत दिला दी, जिसको जीतने की कम ही उम्मीद थी। अनमोल खरब भी सायना नेहवाल की तरह हरियाणा से ताल्लुक रखती हैं और उनकी तरह पक्के इरादे वाली हैं।

भारतीय कोच पुलेला गोपीचंद ने अनमोल के बिना डरे, दिलेरी के साथ खेलने की तारीफ की। पिता देवेंद्र खरब कहते हैं कि अनमोल में यह दिलेरी अपनी मां राजबाला से आई है। राजबाला हरियाणा राज्य स्तर की धाविका रहीं हैं और वह घड़ों में पानी भरकर सिर पर रखकर लातीं थीं। फरीदाबाद की रहने वाली अनमोल बैडमिंटन की ट्रेनिंग नोएडा में लेती थी, इसलिए मां प्रतिदिन 80 किमी गाड़ी चलाकर लाती थीं। वह बेटी के लिए गाड़ी में लस्सी, छाछ आदि रखा करतीं थीं। अनमोल की यह खूबी भी है कि उसका पूरा फोकस बैडमिंटन खेल पर है। यह कहा जाता है कि दिवाली के दिन भी उसने अपने कोच से कहा था कि पूजा और आतिशबाजी शाम को होते हैं तो सुबह की ट्रेनिंग रखी जा सकती है। इसी तरह रक्षाबंधन के बारे में वह कहती थी कि वह अपनी रक्षा खुद करने में सक्षम है, इसलिए उसे राखी बंधवाने की जरूरत नहीं है।

मां राजबाला ने अनमोल की फिटनेस के लिए उसे बॉक्सर जयभगवान के भाई गोदरा सर की अकादमी में ट्रेनिंग दिलाई है। इसमें खिलाड़ियों को कमांडो ट्रेनिंग कराई जाती है। इसके लिए वह रोज सुबह पांच बजे जागकर जाती थीं। त्रिशा जौली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी पिछले एक दो वर्षो में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

अपनी पैठ बनाने में सफल रही है। इस जोड़ी ने अपने तीनों मुकाबले जीतकर भारतीय अभियान में अहम भूमिका निभाई। यह जोड़ी जिस तरह से खेल रही है, उससे लगता है कि वह इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में पदक की दावेदार बन सकती है। वहीं सिंधु के लिए यह अपनी पुरानी लय पाने का मौका था। वह चोट की समस्या के कारण चार माह बाद किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेल रही थीं। पर उन्होंने यहां किए सफल प्रदर्शन से अगले माह शुरू होने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन का भरोसा जरूर बना लिया। पर सिंधु यदि इस बार पेरिस ओलंपिक में अपने तमगे का रंग बदलकर पीला करना चाहती हैं तो उन्हें अभी और कड़ी मेहनत करनी होगी। वैसे इस चैंपियनशिप में किए प्रदर्शन से यह तो साफ है कि वह सही राह पर बढ़ रही हैं।

मुकेश वत्स (प्रधान संपादक), रास बिहारी (समूह संपादक), स्वाति वर्मा (संपादक)।

पब्लिक एशियाः पत्र पंजीकरण संख्याः HARHIN/2011/40057, स्वामी मुकेश वत्स के लिए मुद्रक, प्रकाशक, स्वाति वर्मा ने पब्लिक एशिया E- 33, सैक्टर-7 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित करवाकर कार्यालय पब्लिक एशिया हाउस, शॉप नो.-8 ईदगाह रोड, नियर रेलवे स्टेशन, मॉडल टाउन, पानीपत, 132103, हरियाणा से प्रकाशित किया से प्रकाशित किया। E-mail: haryana@publicasia.in, publicasia1989@gmail.com, website: www.publicasia.in, मुख्य कार्यालय : पब्लिक एशिया हाऊस 686 जी, न्याय खंड 2 इंदरापुरम गाज़ियाबाद(उ.प्र)। Mobile No. 8287879604, 9891945513, 0120-2605513 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होगें। वैघानिक सूचना-पाठकों को सलाह दी जाती है की किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच- पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापन के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

मुख्य समाचार

सचिवालय तक किसानों ने निकाला ट्रैक्टर मार्च, किया प्रदर्शन

जुबैर खान, पब्लिक एशिया

नूंह अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे भारतीय किसान यूनियन राकेश टिकैत के आवाहन पर नूंह जिलें के किसानों ने भी ट्रैक्टर मार्च किया। बुधवार को करीब दो दर्जन किसान अपने ट्रैक्टरङ्ट्राली लेकर नूंह सचिवालय पहुंचे, जहां पहुंचने पर किसानों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सुरक्षा की दृष्टि से लघु सचिवालय के बाहर के भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी। जिससे कोई अप्रिय घटना नही घटे। किसानों ने कुछ देर शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया और फिर वापिस लौट गए। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष और नूंह जिले के अध्यक्ष व किसान नेता आजाद खान ने कहा कि किसानों के साथ केंद्र सरकार द्वारा किस तरह का व्यवहार और तानाशाही रवैया अपनाया जा रहा है। किसानों के ऊपर आंसू गैस के गोले छोड़ें जा रहे हैं, उन्हें जख्मी किया जा रहा है और उन्हें दिल्ली आने से रोका जा रहा है। दिल्ली के चारों तरफ उनके किसान भाई बैठे हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसान नेता चौधरी राकेश टिकैत ने आवाहन किया था कि 21 फरवरी को सभी जिलों में किसान अपने ट्रैक्टरों को लेकर लघु सचिवालय के बाहर प्रदर्शन करेंगे। इस आवाहन को लेकर बुधवार को नूंह सचिवालय के सामने शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि वह अपने किसान साथियों के साथ है। किसानों के समर्थन में पिछले काफी दिनों से रेवासन टूल नूंह के किसान धरने पर बैठे हुए हैं। आगे भारतीय किसान यूनियन द्वारा जो भी आदेश दिया जाएगा वह उसके साथ है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर हरियाणा विधानसभा में सर्व सम्मति से धन्यवाद प्रस्ताव पारित

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » अयोध्या में रामजन्म भूमि पर निर्मित राम लला के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान पूर्वक किए जाने के उपलक्ष में बुधवार को हरियाणा विधानसभा में सर्व सम्मति से धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया। विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्यों और निर्दलियों ने यह कहते हुए प्रस्ताव का समर्थन किया कि प्रस्ताव में जैसा राम राज्य वर्णित किया गया है वैसा शासन हरियाणा में नहीं है।

प्रस्ताव मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पेश करते हुए कहा कि राम राज्य में सभी को न्याय और अत्याचार मुक्त शासन की संकल्पना की जाती है। नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रस्ताव में उन सभी का आभार जोड़ने का सुझाव दिया जिन्होंने राम मंदिर निर्माण में सर्व श्रेष्ठ योगदान दिया।उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने राम जन्म भूमि मंदिर का ताला खुलवाया था।हुड्डा के इस सुझाव पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रस्ताव में जोड़ा कि राम जन्म भूमि मंदिर के निर्माण में सभी पूर्वजों के योगदान का आभार व्यक्त किया जाता है।

कांग्रेस सदस्यों ने प्रस्ताव पर अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि राम हम सभी के है और प्रस्ताव का समर्थन करते है।लेकिन हरियाणा में राम राज्य की परिभाषा के अनुसार शासन नही है। महंगाई,बेरोजगारी और अपराधो के बढ़ने से लोग दुखी है।कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा,भारत भूषण बत्रा ने कहा कि प्रदेश में चारो ओर अन्याय व्याप्त है। नीरज शर्मा ने कहा कि राम की नीति में वचन निर्वाह भी शामिल था लेकिन ये सरकार तो अपने वचन नही निभाती।प्रस्ताव मुख्यमंत्री मनोहर लाल के बाद स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता ने भी पढ़ा।इसके बाद प्रस्ताव पर चर्चा हुई।कांग्रेस सदस्यों की आलोचना पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश के शासन और नीति को लेकर प्रस्ताव में कोई उल्लेख नहीं है। सिर्फ मंदिर निर्माण पर धन्यवाद किया गया है।

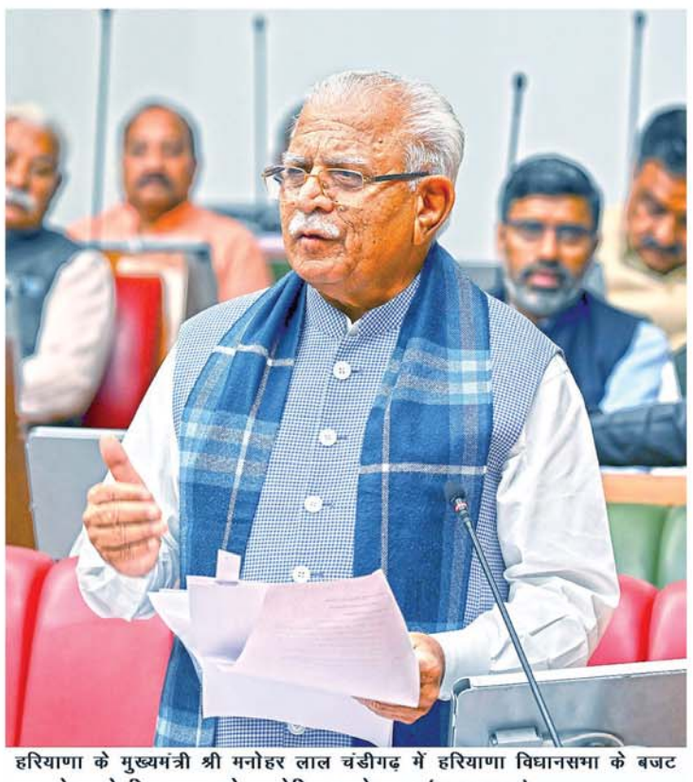

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन सदन को सम्बोधित करते हुए। (21.02.2024)

हरियाणा के गृहमंत्री विज का मुख्यमंत्री को विधायकों के साथ राम लला के दर्शन करने की सलाह

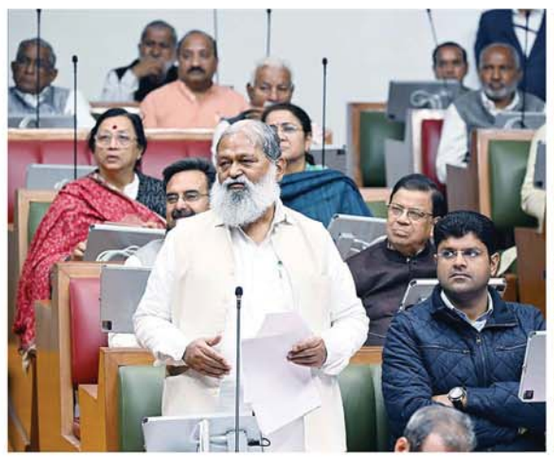

हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल के दौरान बोलते हुए।

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने बुधवार को मुख्यमंत्री से अनुरोध करते हुए कहा कि 'वे चाहते हैं कि मुख्यमंत्री जी सारे विधायकों को साथ लेकर राम लला जी के दर्शन करने के लिए जाएं। 'हम भाग्यशाली है कि हमारे जीवन काल में यह राम मंदिर बना है और हमने उसको देखा है। इसका श्रेय भी हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जाता है जिनके कुशल नेतृत्व के कारण कोई अड़चन नहीं आई और माननीय न्यायालय का फैसला आने के बाद अयोध्या में एक विशाल भव्य मंदिर बनाया गया है।

विज यहां हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के दौरान राम मंदिर निर्माण को लेकर रखे गए धन्यवाद प्रस्ताव के संबंध में विचार रख रहे थे। उन्होंने कहा कि राम मंदिर को स्थापित करने के लिए अनेक लड़ाइयां लड़ी गई और 76 युद्ध लड़े गए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर को स्थापित करने के लिए कई आंदोलन भी हुए और वह खुद इन आंदोलनों के दो बार हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब वे पहली बार गए तो वह गिरफ्तार हो गए थे और उन्हें 15 से 16 दिन उन्नाव जेल में रखा गया था। उन्होंने कहा कि 'जब मैं दूसरी बार गया तो मैं वहां मौजूद था, और जब 6 दिसंबर को वह घटना हुई तो उस घटना का मैं साक्षी हूं और उस इतिहास का मैं हिस्सा हूं और वहां सब कुछ घटते हुए देखा है'।

उन्होंने राम लला की मूर्ति के मूर्तिकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'मैं मूर्तिकार का भी आभार प्रकट करता हूं जिसने इतनी सुंदर राम लला जी की मूर्ति बनाई है'। इसी प्रकार, उन्होंने भव्य राम मंदिर के वास्तुकार का भी आभार प्रकट करते हुए कहा कि 'मैं वास्तुकार का भी आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने इतना सुंदर वास्तु कला का भव्य मंदिर बनाने में अपनी भूमिका अदा की हैं'।

जिला में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में किया जाए कार्य- उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा

पब्लिक एशिया संवाददाता

नूंह » उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा की अध्यक्षता में बुधवार को लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हाल में आकांक्षी जिला नूंह में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें जिला में विभाग के माध्यम से संचालित स्वास्थ्य सेवाओं, योजनाओं के क्रियान्वयन व विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उपायुक्त ने बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं व क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जाए। भारत सरकार, नीति आयोग व हरियाणा सरकार आकांक्षी जिला नूंह में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जिला प्रशासन भी जिलावासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि इस समय में जिला में एक सामान्य अस्पताल, पांच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 22 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा 111 उप केंद्रों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिया जा रहा है। सभी सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं गुणवत्तापूर्वक होनी चाहिए तथा जिस भी क्षेत्र में अस्पताल, उपकेंद्र आदि के लिए भवन, स्टाफ आदि की जरूरत है, उसका प्रस्ताव तैयार किया जाए। जिला प्रशासन द्वारा जहां भी संभव होगा, वहां पर मेवात विकास अभिकरण के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कार्य किया जाएगा। इस बैठक में सिविल सर्जन डा. राजीव बातिश, उप सिविल सर्जन डा.प्रवीण, डा. अशीष सिंगला, डा. विशाल सिंगला, एमडीए के परियोजना अधिकारी शमीम अहमद, सीएमजीजीए वैभव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दीपेंद्र हुड्डा ने सड़क से लेकर संसद तक किसान मजदूर व्यापारिक कर्मचारी खिलाड़ी के हक की लड़ाई लड़ी है : संदीप हुड्डा

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरियाणा किसान कांग्रेस के वाइस चेयरमैन संदीप हुड्डा चमारिया ने कहा रोहतक लोकसभा लोगों को अपने प्रायए की समझ आ गई है। भाजपा के जातिवादी चक्रव्यूह में नहीं फंसेगी जनता राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने गरीब मजदूर किसान जवान खिलाड़ी के हक की लड़ाई संसद से लेकर सड़क तक लड़ी। 'घर-घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस' अभियान को जनता के सभी वर्गों का भारी समर्थन मिल रहा है। यह समर्थन इस साल होने वाले लोकसभा दीपेंद्र हुड्डा के प्रति भारी उत्साह देखने को मिलेगा और विधानसभा चुनाव में हुड्डा के नेतृत्व में दो-तिहाई बहुमत से जीत की गारंटी है।

पार्टी के 'घर-घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस' अभियान के तहत गढी सापला किलोई विधानसभा में लोगों से संपर्क किया।

संदीप हुड्डा कहा कि कांग्रेस पार्टी के संकल्प पत्र को लोग हाथों-हाथ ले रहे हैं। संकल्प पत्र में महिलाओं को सस्ता रसोई गैस सिलेंडर, बुजुर्गों को 6100 रुपए मासिक पेंशन, 200 यूनिट तक मुत बिजली और सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का कांग्रेस का संकल्प खूब भा रहा है, और सभी वर्गों के लोग लोकसभा और विधानसभा चुनाव में खुलकर कांग्रेस पार्टी का साथ देने की बात कर रहे हैं। संदीप हुड्डा ने कहा कि पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा की करनी और कथनी में कोई फर्क नहीं है। जब वह 10 साल प्रदेश के सीएम थे, तब अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के गरीब लोगों को 100 -100 गज के मुत प्लॉट दिए थे। किसानों को उनकी फसल के लाभकारी मूल्य हुड्डा के शासन में मिले थे।

व्यापारियों को इंस्पेक्टरी राज से मुक्ति दिलवाई गई थी। उन्होंने संदीप हुड्डा ने कहा कि हुड्डा के राज में हरियाणा देश का सबसे विकसित राज्य था और प्रति व्यक्ति आय में देश में नंबर वन था। पिछले 10 साल में हरियाणा बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी में नंबर वन पर है। कमर तोड़ महंगाई और बेरोजगारी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। आज प्रदेश में सरकारी कर्मचारी, व्यापारी, किसान, मजदूर सभी सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर किया है।

बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर जिला में परीक्षा केंद्र के समीप धारा 144 लागू

जुबैर खान पब्लिक एशिया

नूंह » जिलाधीश धीरेन्द्र खड़गटा ने 27 फरवरी से शुरू होने जा रही हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की दसवीं और बारहवीं व डी.एड की परीक्षाओं का आयोजन शांतिपूर्वक एवं पारदर्शी तरीके से कराने के लिए जिला में बनाए गए सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 लागू करने के आदेश जारी किए हैं। जिलाधीश की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि कक्षा दसवीं एवं बारहवीं व डी.एड की परीक्षाओं को नकल रहित संपन्न करवाने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों के बाहर दो सौ मीटर के दायरे में धारा 144 लागू रहेगी। उन्होंने जारी आदेश में कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी द्वारा प्रदेशभर में दसवीं व बारहवीं की परीक्षाएं 27 फरवरी से 02 अप्रैल 2024 तक आयोजित की जा रही हैं। इस दौरान परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या इससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर पाबंदी रहेगी। इसके अतिरिक्त परीक्षा केंद्र के आसपास उक्त अवधि में फोटोस्टेट की दुकानें भी बंद रहेंगी। परीक्षा केंद्रों के अंदर किसी भी बाहरी व अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक रहेगी।

जिलाधीश धीरेन्द्र खड़गटा ने दिए आदेश

सरकार द्वारा अग्रोहा में रेलवे लाइन व बस अड्डा चालू ना करने से वैश्य समाज व जनता में बड़ी भारी नाराजगी है : बजरंग गर्ग

पब्लिक एशिया संवाददाता

हिसार- वैश्य समाज के प्रतिनिधियों की एक आवश्यक बैठक अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक मे अग्रोहा धाम के संगठन के विस्तार व अग्रोहा के विकास पर विचार किया गया। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने मंदिर में पूजा करने के उपरांत कहा कि अग्रोहा धाम में 24 फरवरी को भजन समारोह, छप्पन भोग व भंडारा का कार्यक्रम होगा। जिसमें देश भर से समाज के प्रतिनिधि भाग लेंगे। श्री गर्ग ने कहा कि 2 साल पहले हरियाणा सरकार ने अग्रोहा में बस अड्डा बनाया था। मगर आज तक अग्रोहा में बना बस अड्डे को चालू नहीं किया गया है। सरकार द्वारा अग्रोहा को रेलवे लाइन से जोड़ने की भी घोषणा करने व केंद्रीय रेलवे बजट में अग्रोहा-सिरसा को 90 किलोमीटर रेलवे लाइन से जोड़ने की मंजूरी देने के बावजूद भी अग्रोहा को रेलवे लाइन से नहीं जोड़ा गया है। यहां तक कि अग्रोहा में ना तो रेलवे लाइन है, ना ही बस अड्डा चालू हुआ है। सरकार द्वारा अग्रोहा को रेलवे लाइन व अड्डा से ना जोड़ने से वैश्य समाज व आम जनता में बड़ी भारी नाराजगी है। जबकि हर रोज हजारों लोग अग्रोहा आते-जाते रहते हैं। यह सिर्फ झूठे वादे व घोषणाओं की सरकार है अग्रोहा में पूरी तरह सड़के टूटी पड़ी है सीवरेज के सारे नाले बंद पड़े हैं। सड़कों पर गंदा पानी भरा पड़ा है, जिसके कारण बीमारियां फैल रही है। अग्रोहा में ना ही सफाई व्यवस्था है, नेशनल हाईवे की स्ट्रीट लाइट तक चलती नहीं है। सरकार की तरफ से अग्रोहा में कोई भी मूलभूत सुविधा तक नहीं है। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को अग्रोहा के विकास के लिए विशेष ध्यान देने की जरूरत है। अग्रोहा में सीवरेज नाले व सड़कों का काम तुरंत प्रभाव से कराया जाए। अग्रोहा के विकास के लिए रिहायशी सेक्टर व शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाए जाएं और सरकार की तरफ से अग्रोहा में कोई नया सरकारी प्रोजेक्ट लगाया जाए ताकि अग्रोहा में विकास के रास्ते खुल सकें। इस अवसर पर ऋषि राज गर्ग, एन के गोयल, सत्यपाल अग्रवाल, अनिल सिंगला, राजेंद्र बंसल, सत्य प्रकाश आर्य, रवि सिंगला, महेश अग्रवाल मथुरा, जय भगवान अग्रवाल दिल्ली, अंजलि कनोडिया सिरसा, चूड़ियां राम गोयल टोहाना व अनंत अग्रवाल बरवाला आदि ने अपने विचार रखें।

नवांशहर में गुरु रविदास जयंती पर स्कूलों, कॉलेजों, शिक्षण संस्थानों में आधे दिन का अवकाश

नवांशहर » पंजाब में नवांशहर के जिला मजिस्ट्रेट नवजोत पाल सिंह रंधावा ने गुरु रविदास के प्रकाश उत्सव पर 23 फरवरी को जिले के सरकारी/अर्धसरकारी स्कूलों, कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों में आधे दिन के अवकाश की घोषणा की है। श्री रंधावा ने बुधवार को जारी आदेश में कहा कि 23 फरवरी को आयोजित होने वाले नगर कीर्तन में भाग लेने के लिए आम जनता की धार्मिक भावनाओं और स्कूल/कॉलेजों के शिक्षकों/छात्रों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकारी/अर्ध सरकारी स्कूलों, कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों में अर्ध अवकाश घोषित किया है। -एजेंसी

छोटे कारीगरों के लिए वरदान साबित होगी पीएम विश्वकर्मा योजना : एडीसी हितेश कुमार मीणा

कारीगरों को टूल किट खरीदने के लिए दिए जाएंगे 15 हजार रूपए

पहली बार में मिलेगा एक लाख रूपए का लोन

प्रदीप गौतम, पब्लिक एशिया

गुरूग्राम। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कहा है कि स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों की कार्यकुशलता को बढ़ाने और उनके उत्पादों व सेवाओं को आसानी से लोगों तक पहुंचाने में पीएम विश्वकर्मा योजना एक वरदान साबित होगी। इस योजना से जिला के कारीगरों को जोडऩे के लिए एमएसएमई द्वारा सक्रिय जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए।

एडीसी हितेश कुमार मीणा विकास सदन सभागार में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पारंपरिक व्यवसायों में लगे कारीगरों और शिल्पकारों तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए एक जन-जागरूकता अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है। जिससे कि स्थानीय कारीगरों को योजना के तहत दिए जाने वाले लोन, प्रशिक्षण व अन्य सुविधाओं की जानकारी मिल सके। उन्होंने बताया कि इस योजना में 18 व्यवसाय शामिल किए गए हैं। जिनमें सुनार, नाव बनाना, शस्त्राकार, लुहार, हथौड़ा व लोहे के औजार बनाना, ताला बनाना, कुंभकार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, टोकरी, चटाई बनाना, गुडिया व खिलौने बनाना, बारबर, धोबी, दर्जी, बुनकर और मछली पकडने के लिए जाल बनाने का काम शामिल है। विभिन्न व्यवसायों से जुड़े दस्तकारों को स्कीम के अंतर्गत प्रशिक्षण, टूल किट व बैंक लोन की सुविधा प्रदान की जाएगी।

एडीसी ने बताया कि इस योजना में कारीगर को पहले पीएम विश्वकर्मा. जीओवी.इन पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाना होगा। पंजीकरण के बाद इन कारीगरों की गुरूग्राम जिला में स्थापित किए गए कौशल विकास केंद्रों में पांच दिन की ट्रेनिंग करवाई जाएगी। लाभपात्रों को टूल किट खरीदने के लिए 15 हजार रूपए का अनुदान दिया जाएगा। छोटे कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पहले एक लाख रूपए का लोन दिया जाएगा। जिसे 18 महीनों में पांच प्रतिशत की मामूली ब्याज दर से अदा करना है। बैंक ऋण की अदायगी के बाद इन कारीगरों को दोबारा ट्रेनिंग दिलवाई जाएगी। ट्रेनिंग में हर रोज 500 रूपए का स्टाइपेंड दिया जाएगा। एक लोन पूरा होने के बाद पात्र कारीगर को दो लाख रूपए का लोन मिलेगा, जिसकी अदायगी तीस माह में की जानी है। इस दौरान कारीगरों को बाजार से जोडऩे का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह योजना पांच साल के लिए है और पहले साल में देशभर के तीस लाख कारीगरों को इससे जोडऩे का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

एएसआई 10 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़, » पंजाब सर्तकता ब्यूरो ने बुधवार संगरूर जिला के लोंगोवाल पुलिस थाना में तैनात सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) चतर सिंह को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। राज्य चौकसी ब्यूरो के आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि उक्त पुलिसकर्मी को बिंदर सिंह निवासी गांव झाड़ों, जिला संगरूर की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने सर्तकता ब्यूरो रेंज पटियाला से संपर्क किया और आरोप लगाया कि उक्त ए.एस.आई. उसका रिश्तेदार रणजीत सिंह गांव जादोन, सुनाम, जिला संगरूर के लोंगोवाल थाने में एक पुलिस केस में नामज़द होने के बाद उससे दस हजार की रिश्वत मांग रहा है। शिकायतकर्ता ने बताया कि उक्त सब-इंस्पेक्टर ने रणजीत सिंह के घर से एक कार भी ली है, जो उसकी पत्नि के नाम पर पंजीकृत है। इस संबंध में विजिलेंस ब्यूरो की पटियाला रेंज में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई जारी है।

वायदे के धनी हैं राज्यसभा सांसद दीपेन्द्र हुड्डा : अजमेर नायक

कांग्रेस की योजनाओं का श्रेय ले रही है बीजेपी - दीपेन्द्र हुड्डा

दिनेश मैहता, पब्लिक एशिया

हिसार » राज्य सभा सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा अपने वायदे के पक्के धनी हैं। यह कहना है डीएनटी हरियाणा के पूर्व चैयरमेन एवं कांग्रेस के छोटे से कार्यकर्ता शिक्षाविद अजमेर सिंह नायक राखीगढ़ी का। उन्होंने कहा कि सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने लगभग 10 साल पहले हांसी-महम-रोहतक रेल मार्ग के निर्माण के लिए हांसी में 2013 में रेल-मार्ग रैली कर शिलान्यास के समय अजमेर नायक एवं हांसी की जनता से वायदा किया था कि जिस दिन इस रेल मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण होने पर हांसी से रोहतक ट्रेन चलेगी।

वह इसमें बैठकर अवश्य जाएंगें और वायदे के मुताबिक प्रारम्भिक सफर करते समय हांसी की जनता सहित राखीगढ़ी के कांग्रेस के छोटे से कार्यकर्ता अजमेर नायक को अपने साथ बिठाएंगें। सो सांसद ने अपना वायदा याद करते हुए इस रेल मार्ग पर प्रथम बार हांसी-महम-रोहतक तक हांसी रेलवे स्टेशन से ट्रेन में अजमेर नायक के साथ सफर करते हुए वायदा पूर्ण करने का काम किया है। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा के साथ अजमेर नायक रेल में सफर के दौरान फूला नहीं समा रहे थे। यात्रा के दौरान अजमेर नायक ने कहा कि कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दीपेन्द्र हुड्डा की करनी और करनी में कोई फर्क नहीं है और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में पिछड़े एवं अनुसूचित जातियों समेत सभी वर्गों एवं 36 बिरादरी के हित सुरक्षित होंगें। राज्यसभा सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने अजमेर नायक के अलावा पूर्व केन्द्रीय मंत्री जयप्रकाश उर्फ जेपी,पूर्व मन्त्री सुभाष गोयल, पूर्व विधायक रामनिवास घोड़ेला एवं नरेश सेलवाल, राजेन्द्र सूरा, छत्रपाल सोनी,सुमन शर्मा, योगेन्द्र योगी व अन्यों के साथ हांसी रेलवे स्टेशन से रोहतक तक ट्रेन में सफर किया। हांसी रेलवे स्टेशन पर मीडिया से बातचीत करते हुए राज्यसभा सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस की विकास परियोजनाओं का बीजेपी श्रेय लेना चाहती है।

उन्होंने कहा कि इस रेल परियोजना का काम उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा सरकार की भागीदारी से 2011 में मंजूर करवाया था। इसके बाद पूर्व रेल मन्त्री दिनेश त्रिवेदी से 2012 में रेल बजट दिलवाया और 2013 में हांसी में रेल मार्ग रैली करके पूर्व मन्त्री मल्लिकार्जुन खरगे की गरीमामयी उपस्थिति में इसका शिलान्यास करवाकर काम शुरू कराया और काम पूरा होने तक वे इसके पीछे लगे रहे। उन्होंने कहा कि हाल ही में 16 फरवरी को पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा हांसी-महम-रोहतक रेल मार्ग पर ट्रेन की शुरूआत करने के बाद गत दिवस वे स्वयं (दीपेन्द्र हुड्डा) इस ट्रेन में अपने साथियों के साथ हांसी से चढ़कर रोहतक पहुंचे थे। दीपेन्द्र हुड्डा का यह ड्रीम प्रोजेक्ट कहा जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने जमीन अधिग्रहण का मुआवजा भी दे दिया था। इसके बाद इस प्रोजेक्ट के पूरा होने में लम्बा समय 10 साल लग गए। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन की बात करने वालें लगभग 10 सालों के शासन में हरियाणा में किसी भी एक बड़े प्रोजेक्ट का उदघाटन नहीं करवा सके। सिर्फ कांग्रेस सरकार के दौरान की गई विकास योजनाओं पर अपनी वाही वाही लूट रहे हैं लेकिन जनता ये सब जानती है।

इसीलिए उनके द्वारा किये गये रेल मार्ग पर सफर के दौरान जगह-जगह स्वागत के लिए बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं आम जनता उमड़ पड़ी। उन्होंने कहा कि वर्तमान बीजेपी सरकार ने उनके समय में मंजूर करवाई गई रेल कोच फैक्टरी एवं इंटरनेशनल एयरपोर्ट हरियाणा से बाहर भेजने का काम किया। राज्य सभा सांसद दीपेन्द्र सिंह ने कहा कि बातचीत से ही किसानों की समस्याओं का हल निकाला जा सकता है। सरकार ने किसानों से एम एस पी की गारन्टी का वायदा किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर किसान,व्यापारी, युवा व गरीब तबके समेत हरियाणा वर्ग का उत्थान व कल्याण सुनिश्चित किया जाएगा।

रोहतक में ट्रक की अचानक ब्रेक से हादसा, रोडवेज बस ड्राइवर की मौत, कंडक्टर की हालत गंभीर

रोहतक। ट्रक के ड्राइवर द्वारा अचानक ब्रेक लगाने से पीछे आ रही बस टकरा गई। इस हादसे में गंभीर घायल बस के ड्राइवर की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं कंडक्टर की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

झज्जर के गांव नुना माजरा निवासी नवीन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह हरियाणा रोडवेज में कंडक्टर है। फिलहाल किलोमीटर स्कीम के तहत रोहतक डिपो की बस में तैनात है। उनकी बस पर रोहतक के गांव मदीना निवासी टिंकू ड्राइवर है। वे रात करीब सवा 9 बजे रोहतक से बस लेकर सांपला की तरफ जा रहे थे। नवीन ने बताया कि वह परिचालक सीट पर बैठा था और टिंकू बस चला रहा था।

कंडक्टर नवीन ने बताया कि उनके आगे एक ट्रक चल रहा था। जब वे ह॥-9 स्थित गांधरा मोड़ पर पहुंचे तो आगे चल रहे ट्रक के ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इसके कारण उनकी बस ट्रक से जा टकराई। इस एक्सीडेंट में नवीन (परिचालक) व टिंकू (चालक) दोनों को गंभीर चोटें आई। हादसे के बाद राहगीर एकत्रित हो गए। राहगीरों ने उन्हें इलाज के लिए रोहतक पीजीआई में भर्ती करवाया गया। जहां से नवीन को परिजन रोहतक के निजी अस्पताल में ले गए। वहीं ड्राइवर टिंकू की रोहतक पीजीआई में इलाज के दौरान मौत हो गई।

सांपला थाना के जांच अधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि गांधरा मोड़ के नजदीक रोडवेज बस व ट्रक का एक्सीडेंट हुआ था। इसमें घायल चालक व परिचालक को उपचार के लिए भर्ती करवाया। उपचाराधीन चालक टिंकू ने शनिवार सुबह उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं घायल परिचालक के बयान पर ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है।

रोहतक में अज्ञात का मिला शव, पहचान छिपाने के लिए कुचला गया चेहरा, जांच में जुटी पुलिस

रोहतक । रोहतक के गांव जसिया के छोटूराम धाम से लगती गोहर पर सड़क किनारे युवक का शव खून से लथपथ पड़ा मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस की प्राथमिक जांच के अनुसार, मृतक के सिर व चेहरे को किसी भारी हथियार से कुचला गया है, जिसके कारण उसकी मौत हुई। वहीं, शव अर्धनग्न अवस्था में पड़ा हुआ था। सदर थाना एसएचओ मुरारी लाल ने बताया कि गांव जसिया में एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल व हालात को देखकर लग रहा है कि युवक की किसी ने हत्या की है। पुलिस हत्या के लिहाज से ही मामले को देखते हुए जांच में जुटी है। उन्होंने बताया कि अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पहचान के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। जिसकी उम्र करीब 30-35 वर्ष प्रतीत हो रही है। शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई आरंभ कर दी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक करीब दो दिन पहले यहां पास के ही एक होटल पर देखा गया था। हत्या की गुत्थी सुलझाने के पहले उसकी पहचान करना भी पुलिस के लिए चुनौती है।

हाईकोर्ट ने सैनेटरी इंस्पेक्टर की भर्ती पर लगाई रोक

चंडीगढ़ । हाईकोर्ट ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सैनेटरी इंस्पेक्टर भर्ती पर रोक लगा दी है। मिली जानकारी के अनुसार यहां 50 पदों के लिए आवेदन मांगा था। विज्ञापन के अनुसार इन पदों के लिए अनिवार्य योग्यता सैनेटरी में डिप्लोमा की थी। भर्ती के दौरान याचिकाकर्ता को पता चला कि आयोग इस भर्ती में सिविल इंजीनियरिंग वालों के आवेदन पर भी विचार कर रही है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार व कर्मचारी चयन आयोग को बड़ा झटका देते हुए सैनेटरी इंस्पेक्टर की भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही हरियाणा सरकार को अगली सुनवाई पर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। याचिका दाखिल करते हुए कैथल निवासी जितेंद्र कुमार ने एडवोकेट राजेश हुड्डा के माध्यम से हाईकोर्ट को बताया कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने सैनेटरी इंस्पेक्टर के 50 पदों के लिए आवेदन मांगा था। विज्ञापन के अनुसार इन पदों के लिए अनिवार्य योग्यता सैनेटरी में डिप्लोमा की थी। भर्ती के दौरान याचिकाकर्ता को पता चला कि आयोग इस भर्ती में सिविल इंजीनियरिंग वालों के आवेदन पर भी विचार कर रही है। चाचिकाकर्ता ने कहा कि बिना डिप्लोमा के सिविल इंजीनियर डिग्री धारकों को इस पद के लिए योग्य नहीं माना जा सकता। साथ ही कहा कि विज्ञापन जारी होने के बाद योग्यता मानकों में परिवर्तन नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट के नोटिस के जवाब में आयोग ने बताया कि जिन लोगों ने सैनेटरी में ब्रिज कोर्स कट ऑफ से पहले किया है उनके आवेदन पर विचार किया जा रहा है। हाईकोर्ट ने इसपर अब भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी है और याचिकाकर्ता की आपत्तियों को लेकर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

मौसम में बदलाव जारी ; फिर से पारा गिरने से बढ़ेगी ठंड, गेहूं की फसल को मिलेगा फायदा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र में पिछले चार दिनों से मौसम में बदलाव देखने को मिला। जिसके चलते जहां आसमान में बादल छा रहे थे तो वहीं तेज हवाओं का सामना भी लोगों को करना पड़ रहा था। जबकि बुधवार को भी मौसम में बदलाव देखने को मिला। अल सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा, दृश्यता मात्र 10 से 15 मीटर के करीब रही, जिससे सड़कों पर वाहन भी रेंगते दिखाई दिए। घने कोहरे के चलते वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बर्फबारी होने के चलते मैदानी क्षेत्रों में भी ठंड का असर फिर दे दिखाई देने लगा है, जिसके कारण जहां ठंड फिर से दस्तक दे रही हैं तो वहीं कोहरा भी फिर से छाने लगा है। हालांकि सोमवार रात को जिले भर में हल्की बूंदाबांदी भी हुई थी, जिससे मौसम में ठंडक फिर से घुली थी। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड का असर फिर से दिखाई देगा बुधवार को न्यूनतम तापमान दस डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहा। आसमान में बादल छाए रहने के चलते धूप खिलने के आसार भी कम ही हैं। कृषि वैज्ञानिक डॉ. सीबी सिंह का कहना है कि पिछले कई दिनों से मौसम में बदलाव हो रहा है। पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी का असर मैदानी क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है, जिसके चलते फिर से ठंड दस्तक दे रही हैं और आने वाले दिनों में पारा फिर से गिरेगा, जिससे ठंड का असर बढ़ेगा। गेहूं की फसल के लिए कम तापमान रहना फायदेमंद रहेगा। पिछले दिनों जिले भर में हल्की बारिश होने से गेहूं की फसलों को फायदा मिला है और जबकि तेज हवाओं के कारण गेहूं की फसलों को नुकसान भी हुआ है, जिससे कई जगहों पर गेहूं की फसलें गिर गई हैं।

घर बैठे साइबर कर सकते हैं साइबर क्राइम की शिकायत : डीसी कैप्टन शक्ति सिंह

झज्जर। साइबर धोखाधड़ी के मामलों को लेकर सरकार बेहद गंभीरता के साथ कार्य कर ही है और आम नागरिकों को भी साइबर ठगी से बचने के लिए अलर्ट रहना चाहिए। उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह ने साइबर अपराधों के मद्देनजर जिला वासियों को जागरूक करने का आह्वान करते हुए यह बात कही। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि वे ऐसे मामलों की सूचना तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें। पुलिस तत्काल साइबर फ्रॉड के मामले में त्वरित कार्रवाई करेगी इससे फ्रॉड को रोका जा सकेगा। इसके अलावा साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। डीसी ने कहा कि साइबर ठगी करने वाले बेहद शातिर होते हैं व लोगों को सोशल मीडिया पर बंपर डिस्काउंट, लॉटरी या फिर इनामी विज्ञापनों का झांसा देते हुए उनके साथ ठगी करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिये है कि वह आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग कर रहे हैं। साइबर ठग क्लोन वेबसाइट तैयार करके भी लोगों से ठगी कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बैंक डिटेल कभी किसी से साझा न करें। डीसी ने कहा कि यदि किसी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होती है तो तुरंत केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1930 डायल करें। डीसी ने जिला के युवाओं से अपील की है कि वे साइबर अपराधों से सावधान रहें और अपने परिवार के सदस्यों को भी जागरूक करें। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों की जितनी जल्दी सूचना दी जाए, उतना ही बढिया ताकि आगे की ट्रांजेक्शन को रोकने के लिए पीड़ित को त्वरित सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ित व्यक्ति साइबर क्राइम की वेबसाइट http://www.cybercrime.gov.in पर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।

किसान आंदोलन के चलते जगह-जगह लग रहा जाम

फरीदाबाद/नई दिल्ली। किसानों के दिल्ली कूच को देखते हुए गाजीपुर चिल्ला और भोपुरा बार्डर पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यहां पर दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवान तैनात किए गए हैं। कई जगहों पर बैरिकेडिंग और किसानों के जमावड़े से जाम की स्थिति बन गई है।

गाजीपुर, चिल्ला और भोपुरा बार्डर पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यहां पर दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवान तैनात किए गए हैं। फिलहाल अभी जाम की स्थिति नहीं है। वहीं नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद की दिल्ली से लगी सीमाओं पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। वहीं कई जगहों पर भीषण जाम की स्थिति बन गई है। किसानों के दिल्ली कोच को लेकर दिल्ली पुलिस ने रजोकरी बार्डर पर बेरिकेडिंग से वाहनों की रफ्तार कम होने से दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस वे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। सिरहौल बार्डर से दिल्ली बार्डर में प्रवेश करने के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। किसानों को रोकने के लिए गुरुग्राम पुलिस भी सतर्क नजर आई बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है वाहन चालकों के आई कार्ड देखकर ही वाहनों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

गाजियाबाद के किसानों के दिल्ली कूच को लेकर सीमाओं पर हाई अलर्ट है। यूपी गेट पर राष्ट्रीय राजमार्ग-9 की अप डाउन लेन पूरी तरह से बंद कर दी गई है। कंक्रीट की दीवार खड़ी कर दी गई है। खाली हिस्सों में गहरी खाई खोद दी गई है। फ्लाईओवर के ऊपर भी बैरिकेडिंग है। वाहनों को एक-एक लेन से दिल्ली में प्रवेश दिया जा रहा है। इसकी वजह से वाहनों की रफ्तार धीमी है। राष्ट्रीय राजमार्ग नौ और दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे की दिल्ली जाने वाली लेन पर फ्लाईओवर के ऊपर वाहन रेंग रहे हैं। महाराजपुर, ज्ञानी बार्डर और भोपुरा पर भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है। नोएडा के अधिकांश किसान संगठन दिल्ली कूच करने के लिए एक मंच पर आ गए हैं। किसान संयुक्त मोर्चा के बैनर तले यह आंदोलन किया जा रहा है। इससे पहले मंगलवार को किसानों को मनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ लोकेश एम व जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा और अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री की अगुआई में एक बैठक की गई थी।

किसानों के दिल्ली कुछ करने की घोषणा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। पुलिस गांव मोहना में धरने पर बैठे किसानों पर विशेष नजर रखे हुए हैं। तिगांव के एसीपी राजेश लोहान पूरे पुलिस बल के साथ मौजपुर टोल प्लाजा पर तैनात रहेंगे। मौके पर मोहना तहसील के नायब तहसीलदार ओम दत्त शर्मा बतौर ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे। यदि किसानों ने कोई कदम उठाया तो मौके पर एसडीएम त्रिलोक चंद पहुंचेंगे।

सरकार के आश्वासन से ठंडे पडे किसान, कृषि मंत्री ने की शांति बनाने की अपील

-भारतीय किसान यूनियन भी बना रहा दिल्ली कूच का प्लान, टिकैत ने की घोषणा

चंडीगढ़। केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने किसानों से अपील की है कि सरकार उनके नेताओं से बातचीत करने के लिए तैयार है, इसलिए वह शांति बनाए रखे। उनकी सभी मांगों पर विचार किया जाएगा। इससे पहले पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर बुधवार 21 फरवरी, 2024 सुबह किसान जब दिल्ली चलो मार्च के तहत आगे बढ़ने लगे तब उन पर आंसू गैस के गोले दाग दिए गए। यही वजह रही कि इस दौरान मौके पर जमकर बवाल हुआ। हालांकि, इस बीच किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने प्रदर्शनकारियों से अपील की कि किसान आगे न बढ़ें। वहीं, केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने एक्स (ट्विटर) पोस्ट के जरिए कहा कि सरकार चौथे दौर के बाद 5वें दौर में सभी मुद्दों जैसे- एमएसपी की मांग, क्रॉप डायवर्सिफिकेशन, पराली के विषय और किसानों के खिलाफ एफआईआर आदि पर बातचीत के लिए तैयार है। मैं दोबारा किसान नेताओं को चर्चा के लिए आमंत्रित करता हूं। हमें शांति बनाए रखना जरूरी है।

गतिरोध को लेकर सूत्रों ने बताया कि जिस तरह किसान लगातार मांगों पर फौरी कार्रवाई चाहते हैं वह भी एक गतिरोध का विषय है। ऐसा इसलिए क्योंकि कई मांगे ऐसी हैं जिन पर अमल से पहले नियम और कानूनों को देखना पड़ेगा। बातचीत के दौरान किसानों से सरकार की तरफ से कहा गया कि किसानों को पंजाब में पहले ही बिजली मुफ्त मिल रही है तो उनको 2013 के बिजली संशोधित कानून से दिक्कत क्या है। फिर भी अगर किसान चाहते हैं कि उसमें बदलाव हो तो उसके लिए भी कुछ वक्त चाहिए। इधर भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत ने कहा कि वे लोग दिल्ली कूच को लेकर योजना बना रहे हैं। कल संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) की बैठक चंडीगढ़ में है। आगे की रणनीति वे लोग तय करेंगे। यह मीटिंग आमने-सामने बैठकर की जाएगी, जिसमें देश भर के किसान हिस्सा लेंगे।

वहीं किसानों के दिल्ली कूच को लेकर पुलिस ने तैयारी कर ली है। इसके लिए भी जेसीबी समेत हैवी मशीनरी मंगवा ली है। बॉर्डर पर पोकलेन मशीन तैनात कर दी गई है। कई एंबुलेंस भी मौके पर खड़ी हैं। इसके साथ ही हरियाणा पुलिस ने पंजाब पुलिस को पत्र लिखकर जरूरी कदम उठाने को कहा है। हरियाणा के आईजीपी कानून व्यवस्था हरदीप सिंह दून ने पंजाब डीजीपी को एक पत्र लिखा है, जिसमें लिखा है कि पंजाब की तरफ से प्रदर्शनकारियों की ओर से बेरिकेड्स को तोड़ने के लिए कई मशीनरी इकट्ठा किए जाने की सूचना मिल रही है। इससे पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों को नुकसान पहुंच सकता है। इस बारे में पंजाब पुलिस जरूरी कदम उठाए, ताकि किसानों को रोका जा सके।

कांग्रेस का ढांचा इतना खोखला हो चुका है कि कभी भी इसका कोई भी कोना गिर धाराशाही हो सकता है: गृह मंत्री अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस का ढांचा इतना खोखला हो चुका है कि कभी भी इसका कोई भी कोना गिर सकता है, आजकल रोज खबर आती है कि कांग्रेस का कोई स्तम्भ गिर गया है। श्री विज आज पत्रकारों द्वारा कांग्रेस नेता कमलनाथ को लेकर पूछे सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मेरा यही कहना है कि है रोज खबर आती है कि कांग्रेस का कोई स्तम्भ गिर गया। कमलनाथ के बारे में मैंने कहा था कि यह गिरे या न गिरे लेकिन कांगेस का ढांचा इतना खोखला हो चुका है कि कभी भी इसका कोई भी कोना गिर कर धराशाई हो सकता है।

वहीं, राहुल गांधी द्वारा बेरोजगारी को लेकर सरकार के खिलाफ दिए बयान पर गृह मंत्री अनिल विज ने पालटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी आजकल यात्राओं पर निकले हुए है, महात्मा गांधी ने भी बहुत यात्राएं की थी और लगता है इनके सिर पर महात्मा गांधी जी का हाथ हो गया है। महात्मा गांधी जी ने एक बात कही थी कि आज़ादी होने के बाद कांग्रेस को खत्म कर दो, इसलिए राहुल गांधी उनकी बात को पूरा करने में लगे हुए है कि किसी तरह से कांग्रेस खत्म हो जाए। श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर न्यौतों पर दिए गए राहुल गांधी के बयान पर मंत्री अनिल विज ने कहा कि ये मंदिर ट्रस्ट की योजना थी, उसी के हिसाब से बुलाया उसका सरकार से कोई लेने देना नहीं।

चरखी दादरी-फिल्मी अंदाज में घर के बाहर फायरिंग, व्यक्ति के पेट में लगी गोली, एम्बुलेंस में सवार थे बदमाश

चरखी दादरी । चरखी दादरी जिले के गांव हुई में बीती रात अधाधुंध फायरिंग का मामला सामने आया है। हुई निवासी व्यक्ति के पेट में एक गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे रोहतक पीजीआई में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से 5 चले हुए व जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस मामले में केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई में जुटी हुई है। घटना की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव हुई निवासी चंद्रभान बीती रात गांव के मंदिर सामने स्थित मकान से कुछ दूरी पर बने कमरे पर मौजूद था। उसी दौरान पिकअप डाला पर बनी पशु एम्बुलेंस वहां पहुंची। उसमें से उतरे हथियार बंद करीब चार-पांच लोगों ने चंद्रभान पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी।

जिससे वह जान बचाकर गली में भाग गया। इस दौरान एक गोली उसके पेट में लगी है। जिसके बाद उसे बाढ़ड़ा के एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे गंभीर अवस्था में रोहतक पीजीआई में भर्ती करवाया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम रात को ही मौके पर पहुंची और जांच शुरू की है।

रात के समय अंधाधुंध फायरिंग करने से एक गोली घटनास्थल के समीप स्थित एक मकान में भी पहुंच गई। मकान मालिक मुकेश ने बताया कि गोली लगने से उसके घर में लगी खिड़की का शीशा टूट गया है।

पिकअप डाला एम्बुलेंस में पहुंचे बदमाशों द्वारा हुई निवासी चंद्रभान पर करीब कई राउंड फायरिंग की गई है। पुलिस को घटनास्थल से 3 खोल व 2 जिंदा कारतूस मिले हैं। घायल चंद्रभान के चचेरे भाई जगबीर ने बताया कि रात को उसके बेटे ने फायरिंग की आवाज सुनकर उसके बेटे ने इसकी जानकारी दी।

बजट सेशन का दूसरा दिन, सीएम मनोहर लाल ने श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया

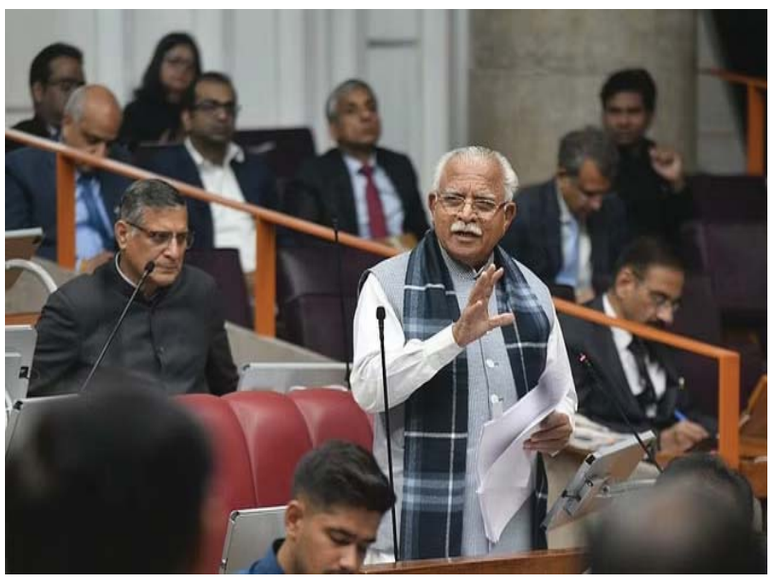

गुरूग्राम। हरियाणा विधानसभा बजट सेशन का आज दूसरा दिन है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा विधानसभा में सरकारी संकल्प पेश किया। सीएम ने प्रभु श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। कहा कि हमारे लाखों पूर्वज की कुर्बानी और तप से ये दिन देखना का मौका मिला है। उन्होंने भव्य मंदिर निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष रूप से धन्यवाद किया। सदन में सर्वसम्मति से पास प्रस्ताव हुआ।

भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार के खिलाफ कांग्रेस 22 फरवरी को सदन में अविश्वास प्रस्ताव पेश करेगी। जिस पर तोशाम से कांग्रेस की विधायक और वरिष्ठ कांग्रेस नेता किरण चौधरी को अविश्वास प्रस्ताव लाने पर सवाल उठाया है। कांग्रेस की ओर से दिए गए अविश्वास प्रस्ताव पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा, रघवीर कादियान, जगबीर मलिक, गीता भुक्कल, वरुण चौधरी, अमित सिहाग, मामन खान, बीबी बत्रा, शमशेर सिंह गोगी और नीरज शर्मा ने सहित 26 विधायकों ने हस्ताक्षर किए हैं।

जल व ऊर्जा संरक्षण थीम पर आयोजित होगा किसान मेला: एडीसी सलोनी शर्मा

झज्जर। जल एवं ऊर्जा संरक्षण के प्रति किसानों व आमजन को जागरूक करने के लिए जिले में फरवरी के अंतिम सप्ताह में किसान मेले का आयोजन किया जाएगा। किसान मेले की तैयारियों को लेकर एडीसी सलोनी शर्मा ने मंगलवार को विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मीटिंग कर दिशानिर्देश जारी किये। एडीसी ने बताया कि किसान मेला नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के तत्वाधान में फरवरी माह के अंत में स्थानीय स्नातकोत्तर नेहरू कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा।

एडीसी सलोनी शर्मा ने बताया कि किसान मेले का आयोजन बड़े स्तर पर किया जाएगा व इसका मुख्य उद्देश्य किसानों को जल एवं ऊर्जा के संरक्षण को लेकर जागरूक करना व सरकार द्वारा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर चलाई जा रही विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा है कि वर्तमान समय में ऊर्जा व जल संरक्षण का महत्व काफी बढ़ गया है और सरकार द्वारा इनके संरक्षण के लिए किसानों व आम नागरिकों के लिए अनेक तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं। मीटिंग के दौरान एडीसी ने कहा कि इन योजनाओं को जिले के प्रत्येक किसान व नागरिक तक पहुंचाने के लिए किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि किसान मेले में एक पारस्परिक संवाद (इंटरैक्टिव सत्र) होगा जो किसानों के लिए काफी फायदेमंद रहेगा। उन्होंने बताया कि ऐसे नई तकनीक से मॉडर्न खेती करने वाले किसान किसान मेले में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। ऐसे किसानों को मेले में शामिल करने का मुख्य उद्देश्य अन्य किसानों को जागरूक करना है ताकि वह पारंपरिक खेती के अलावा नई तकनीक से खेती करते हुए ऊर्जा व जल संरक्षण में अपना योगदान देते हुए खेती से अधिक से अधिक मुनाफा कमाने के लिए प्रेरणा हासिल करे। मीटिंग में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। एडीसी ने अधिकारियों को किसान मेले को लेकर दिशा निर्देश जारी करते हुए ड्यूटियां निर्धारित की।

एडीसी सलोनी शर्मा ने बताया कि किसान मेले के दौरान जिले के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, बागवानी, बिजली निगम, मत्स्य पालन, सिंचाई एवं जल संसाधन सहित काफी विभाग अपनी प्रदर्शनी लगाएंगे और अपने-अपने विभागों की योजनाओं को मेले में पहुंचने वाले किसानों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। इन प्रदर्शनियों पर विभागों द्वारा बड़े रचनात्मक ढंग से प्रस्तुतियां दी जाएंगी जिससे लोगों में जागरूकता बढ़ेगी।

एडीसी सलोनी शर्मा ने यह भी बताया कि किसान मेले को अलग-अलग सत्र में विभाजित किया जाएगा। कृषि से जुड़े अलग-अलग विभागों द्वारा विभिन्न सत्रों में कृषि के लिए सरकार द्वारा दी चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। सोलर एनर्जी, वॉटर कंजर्वेशन से संबंधित कई योजनाओं के स्पेशल काउंटर स्थापित किये जाएंगे व किसान अपनी सुविधानुसार जल व ऊर्जा संरक्षण योजना के लिए वहां से रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे।

एडीसी सलोनी शर्मा ने बताया कि कृषि मेले में कृषि विशेषज्ञ भी शामिल होंगे जो किसानों को मॉडर्न कृषि तकनीकों से अवगत करवाएंगे कि किस प्रकार से जल एवं ऊर्जा संरक्षण के साथ कृषि की जा सकती है। इसके अलावा पारंपरिक कृषि के बजाए मॉडर्न तकनीक से कृषि करते हुए किसान अधिक मुनाफा कैसे कमा सकते हैं इसके बारे में भी जानकारी दी जाएगा। वैकल्पिक कृषि अपनाते हुए जो किसान अधिक मुनाफा कमा रहे हैं वह अपनी सफलता की कहानी किसानों के समक्ष रखेंगे जिससे किसान उनसे जागरूक होने के साथ अपनी सवालों के जवाब भी हासिल कर सकें।

एडीसी ने बताया कि जल एवं ऊर्जा संरक्षण को लेकर कई विभागों द्वारा सरकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। वैश्वीकरण के दौर में किसानों को जागरूक करना बेहद जरूरी है और किसान मेला विभिन्न विभागों के लिए एक बेहतरीन मंच है जहां से वह अपनी योजनाओं को लेकर किसानों को जागरूक कर सकते हैं। इस मेले को लेकर जिला प्रशासन बेहद गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है। किसानों से संवाद करते हुए उन्हें जागरूक करने, उनकी सफलता की कहानियों को दुनिया के सामने लाने व उनकी समस्याओं के समाधान करने का ये एक बेहतरीन अवसर है। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।